सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

*"दौलत तो लोग लोन से भी ले लेते हैं,
लेकिन इज्जत के लिए कोई बैंक नहीं होता,
उसे पाने का एक ही रास्ता है-अच्छे कर्म ...!!"*
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–145 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, रविवार 14 जून 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के जिलाध्यक्षों के लिए 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर, राहुल गांधी भी देंगे मार्गदर्शन

नई दृष्टिबिंदु / नई दिल्ली

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने छत्तीसगढ़ के सभी जिला और शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों के लिए 10 दिवसीय अनिवार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम की घोषणा की है। यह प्रशिक्षण 21 जून से 30 जून 2026 तक चांदी मोड़ स्थित अशुतोष अलका अग्रवाल मंगल भवन में आयोजित होगा।

राहुल गांधी की मौजूदगी पर सहमति

वेणुगोपाल ने पत्र जारी कर बताया कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने की सहमति दी है। वे किसी एक दिन शिविर में उपस्थित होकर जिलाध्यक्षों को मार्गदर्शन देंगे।

इंदिरा भवन में हुआ था एक दिवसीय प्रशिक्षण

संगठन सृजन अभियान के तहत नियुक्त सभी जिलाध्यक्षों ने 10 फरवरी 2026 को नई दिल्ली के इंदिरा भवन में एक दिवसीय प्रशिक्षण लिया था। उस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने मार्गदर्शन दिया था।

वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति अनिवार्य

पत्र में सभी एआईसीसी सचिवों को पूरे 10 दिन शिविर में मौजूद रहने को कहा गया है। एआईसीसी महासचिव, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और कांग्रेस विधायक दल के नेता से कम से कम 5 दिन की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। इसमें पहले दो दिन और अंतिम दो दिन शामिल हैं।

21 जून को दोपहर 12 बजे तक पहुंचने के निर्देश

सभी जिलाध्यक्षों को 21 जून को दोपहर 12 बजे तक कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने को कहा गया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी को एआईसीसी प्रशिक्षण विभाग के साथ समन्वय कर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

पत्र की प्रति एआईसीसी महासचिव प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष, विधायक दल नेता, एआईसीसी सचिव प्रभारी और सभी जिला कांग्रेस अध्यक्षों को भेजी गई है।

विशेष टिप्पणी

नामांकन रद्द और न्याय की राह : मीनाक्षी नटराजन प्रकरण से उठते सवाल

आलोक तिवारी

लोकतंत्र में चुनाव केवल वोट डालने भर की प्रक्रिया नहीं है। यह व्यवस्था की निष्पक्षता और संस्थाओं के भरोसे की परीक्षा भी है। कांग्रेस नेत्री मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा नामांकन रद्द होने का मामला इसी परीक्षा की एक कड़ी बन गया है।

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन एक ऐसे वाद का उल्लेख न करने पर खारिज कर दिया गया, जिसे किसी अदालत ने सुनवाई के लिए स्वीकार तक नहीं किया था। तेलंगाना की नामपल्ली अदालत ने साफ कहा कि शिकायतकर्ता पूर्व पार्षद हैं, इसलिए यह मामला उसके क्षेत्राधिकार में नहीं आता। यानी कानूनी तौर पर वह केस अस्तित्व में ही नहीं आया था। फिर भी उसी अस्वीकृत वाद का जिक्र न होने को आधार बनाकर नामांकन रद्द कर दिया गया।

नामांकन रद्द होने के बाद मीनाक्षी नटराजन चुनाव आयोग पहुंचीं। आयोग ने अपील ली और दो घंटे में जवाब देने का भरोसा भी दिया। मगर न जवाब आया, न फैसला। इस बीच चुनाव का परिणाम घोषित हो गया। 2017 में गुजरात राज्यसभा चुनाव याद कीजिए। तब आयोग ने रात दो बजे तक सुनवाई कर एक वोट अवैध ठहराया था और अहमद पटेल को विजेता घोषित किया था। एक ही संस्था का दो मामलों में दो तरह का रुख सवाल खड़े करता है।

मैनेज्ड डेमोक्रेसी' की आहट
कई विशेषज्ञ मानते हैं कि जब नियम अस्पष्ट हों और संस्थाएं समय पर हस्तक्षेप न करें, तो लोकतंत्र धीरे धीरे 'मैनेज्ड डेमोक्रेसी' में बदलने लगता है। ढांचा लोकतांत्रिक दिखता है, संस्थाएं खड़ी रहती हैं, पर नतीजे पहले से तय लगने लगते हैं। मीनाक्षी नटराजन प्रकरण इसी आशंका को बल देता है।

सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने पर भी राहत नहीं मिली। कोर्ट ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद बीच में दखल नहीं दे सकते। अब रास्ता केवल चुनाव याचिका का बचा है। दिक्कत यह है कि याचिकाओं का फैसला आने तक पूरा कार्यकाल बीत जाता है। जीत भी मिले तो उसका अर्थ क्या रह जाता है।

यह प्रकरण तीन बड़े सवाल छोड़ जाता है

पहला न्याय में देरी, जब फैसला कार्यकाल खत्म होने के बाद आए, तो उसे न्याय कैसे कहें। देर से मिला न्याय अक्सर अन्याय जैसा ही होता है।

दूसरा प्रक्रियागत विसंगति, एक तरफ अदालत कहती है कि मामला सुनवाई योग्य ही नहीं है। दूसरी तरफ चुनाव प्रक्रिया उसी गैर मौजूद मामले का उल्लेख न होने पर उम्मीदवारी खत्म कर देती है। उम्मीदवार करे तो क्या करे।

और तीसरा संस्थाओं पर भरोसा, चुनाव आयोग और अदालत से उम्मीद की जाती है कि न्याय होगा भी और दिखेगा भी। जब एक ही तरह के मामलों में अलग रवैया दिखे तो जनविश्वास डगमगाता है।

इस पूरे विवाद से सबक लेकर तीन कदम जरूरी लगते हैं।

1. स्पष्ट नियम चुनाव आयोग बताए कि नामांकन में किन मामलों का उल्लेख जरूरी है। लंबित, अस्वीकृत और विचाराधीन केस की परिभाषा साफ हो।
2. समयसीमा तय हो नामांकन पर आपत्ति और अपील का निपटारा परिणाम से पहले हो। इसके लिए फास्ट ट्रैक व्यवस्था बने।
3. पारदर्शी जवाबदेही, आयोग अपने हर बड़े फैसले का कारण सार्वजनिक करे। ताकि यह न लगे कि अलग चुनाव में अलग पैमाना अपनाया गया।

मीनाक्षी नटराजन की कानूनी लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। पर यह मामला बता गया कि हमारी चुनावी प्रक्रिया को ज्यादा पारदर्शी और समयबद्ध होने की जरूरत है। लोकतंत्र केवल चुनाव कराने से नहीं चलता। वह चलता है हर उम्मीदवार को समान अवसर देने और समय पर न्याय देने से। जब तक व्यवस्था में यह भरोसा नहीं लौटता, तब तक सवाल उठते रहेंगे।

भिलाई नगर निगम में सफाई भुगतान पर सवाल, पार्षद ने ईओडब्ल्यू जांच की मांग

पूर्व ठेकेदार पर ईपीएफ के 4 करोड़ बकाया का आरोप, 52 लाख रिकवरी नोटिस के बाद भी 23 लाख भुगतान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई में सफाई कार्य से जुड़े भुगतान में अनियमितताओं का आरोप लगा है। वार्ड-38 के पार्षद पीयूष मिश्रा ने आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा में शिकायत दर्ज कर निगम प्रशासन, संबंधित अधिकारियों और पूर्व सफाई ठेकेदार की भूमिका की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

क्या है मामला

शिकायत के अनुसार सफाई ठेकेदार मैसर्स पी.वी. रमन एजेंसी पर कर्मचारियों के ईपीएफ और ईएसआई की देनदारियां लंबित थीं। निगम अभिलेखों के मुताबिक ईएसआई विभाग ने करीब 52 लाख रुपये की रिकवरी की कार्रवाई शुरू की थी। पार्षद का आरोप है कि इसके बावजूद निगम प्रशासन ने एजेंसी को लगभग 23 लाख रुपये का भुगतान कर दिया।

पार्षद ने बताया कि अब कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की ओर से भी पूर्व सफाई ठेकेदार के विरुद्ध करीब 4 करोड़ रुपये की बकाया राशि का नोटिस नगर निगम भिलाई को मिला है।

सचिव ने दिए जांच के निर्देश

पीयूष मिश्रा ने बताया कि इस मामले की शिकायत नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की सचिव आर. संगीता से भी की गई है। सचिव ने मामले की जांच के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।

पार्षद पीयूष मिश्रा के आरोप

शिकायत में आरोप है कि पहले भी संबंधित एजेंसी के भुगतान पर रोक लगाने संबंधी आपत्तियां दर्ज थीं, फिर भी फाइलों को तेजी से स्वीकृत कर भुगतान किया गया। पार्षद पीयूष मिश्रा ने कहा कि जब एजेंसी पर ईएसआई और ईपीएफ की बड़ी राशि बकाया थी, तब भुगतान करना गंभीर संदेह पैदा करता है।

ये की गई मांग

पार्षद ने मांग की है कि पूरे भुगतान प्रकरण की ईओडब्ल्यू से स्वतंत्र जांच कराई जाए। संबंधित अधिकारियों की भूमिका तय की जाए। एजेंसी के ईपीएफ, ईएसआई और अन्य वैधानिक बकायों की विस्तृत जांच हो। शासन को हुई वित्तीय क्षति की वसूली की जाए और दोषियों पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम व भारतीय न्याय संहिता की प्रासंगिक धाराओं में कार्रवाई हो। पार्षद ने कहा कि यह मामला केवल 23 लाख के भुगतान का नहीं, बल्कि करोड़ों की देनदारियों और श्रमिक हितों से जुड़ा है।

उच्च स्तरीय पार्टी सूत्रों के हवाले से खबर

छग मंत्रिमंडल में बड़े फेरबदल के संकेत, सामूहिक इस्तीफे की तैयारी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर अटकलों के बीच बीजेपी के उच्च स्तरीय सूत्रों से अहम जानकारी सामने आई है। सूत्रों का कहना है कि पार्टी नेतृत्व राज्य के सभी 13 मंत्रियों से सामूहिक इस्तीफा ले सकता है। इसके बाद नए सिरे से मंत्रिमंडल का गठन होगा।

गुजरात मॉडल अपनाने की चर्चा

पार्टी सूत्रों के अनुसार, जब हटाए जाने वाले मंत्रियों की संख्या अधिक होती है तो बीजेपी सामूहिक इस्तीफे का रास्ता अपनाती है। गुजरात में भी दो बार इसी तरह मंत्रिमंडल का पुनर्गठन हो चुका है। छत्तीसगढ़ में 13 में से करीब पांच मंत्रियों को बदले जाने की चर्चा है। संख्या अधिक होने के कारण सभी मंत्रियों से इस्तीफा लेकर नए चेहरों को शामिल किया जा सकता है।

रिपोर्ट कार्ड बना आधार

सूत्रों ने बताया कि शीर्ष नेतृत्व ने विभिन्न माध्यमों और सर्वे टीमों के जरिए सभी विधायकों और मंत्रियों का ढाई साल का रिपोर्ट कार्ड तैयार किया है। मैनपाट में हुई बैठक में भी रिपोर्ट कार्ड के आधार पर विधायकों और मंत्रियों को हिदायत दी गई थी। जिन मंत्रियों के विभागों में कमीशनखोरी की शिकायतें मिली हैं, उनकी छुट्टी तय मानी जा रही है। विधायकों की रिपोर्ट देखने के बाद शीर्ष नेतृत्व ने नाराजगी जताई है।

जुलाई में हो सकता है फैसला

सूत्रों का कहना है कि जून का आधा महीना बीत चुका है। इस महीने के आखिर या जुलाई के पहले सप्ताह तक राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की नई टीम फाइनल हो सकती है। इसके बाद जुलाई के पहले या दूसरे सप्ताह में छत्तीसगढ़ मंत्रिमंडल पर फैसला संभव है। तब तक सभी मंत्रियों की स्थिति स्पष्ट नहीं है।

गोपनीयता बरती जा रही

पार्टी के भीतर नए मंत्रियों के नामों को लेकर पूरी गोपनीयता बरती जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, खुद नितिन नबीन को भी पहले से पद की जानकारी नहीं थी। पीएम नरेंद्र मोदी के फोन के बाद ही उन्हें जिम्मेदारी का पता चला। ऐसे में छत्तीसगढ़ में किसे जगह मिलेगी और किसकी छुट्टी होगी, यह अंतिम समय तक स्पष्ट नहीं होगा।

विधायकों पर भी नजर

सूत्रों ने बताया कि विधायकों के कामकाज पर पार्टी की खुफिया नजर बनी हुई है। जल्द ही विधायकों को अंतिम चेतावनी भी दी जा सकती है। जीरो टॉलरेंस के वादे के साथ सत्ता में आई बीजेपी खराब प्रदर्शन वाले नेताओं पर कार्रवाई के मूड में है।

वैशाली नगर के लोगों को बड़ी सौगात, विधायक कार्यालय में मिलेगा रेलवे टिकट

भिलाई। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों के लिए विधायक रिकेश सेन ने एक नई जनसुविधा की घोषणा की है। अब क्षेत्र के लोगों को रेलवे टिकट के लिए स्टेशन पर लंबी कतारों में खड़े होने की आवश्यकता नहीं होगी।

शांति नगर जीरो रोड स्थित विधायक कार्यालय में रेलवे का अधिकृत टिकट काउंटर शुरू किया जा रहा है, जहां यात्रियों को सीधे रेलवे की निर्धारित दर पर टिकट उपलब्ध कराया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य आम नागरिकों, विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं और कामकाजी लोगों को सुविधा प्रदान करना है ताकि उन्हें टिकट के लिए अनावश्यक भागदौड़ न करनी पड़े।

बिना कमीशन, बिना अतिरिक्त शुल्क मिलेगी सुविधा : विधायक कार्यालय से जारी जानकारी के अनुसार इस काउंटर पर रेलवे टिकट पूरी तरह अधिकृत प्रक्रिया के तहत उपलब्ध होंगे। जरूरतमंदों को रेलवे की निर्धारित दर पर टिकट, बगैर कोई कमीशन, कोई अतिरिक्त शुल्क, स्थानीय स्तर पर आसान उपलब्धता के अनुरूप टिकट मिल सकेगा। जिससे समय और श्रम की बचत होगी।

कहां और कब मिलेगी सुविधा? : स्थान : विधायक कार्यालय, शांति नगर, जीरो रोड में सुबह 10 से शाम 5 बजे तक नागरिक विधायक कार्यालय पहुंचकर आसानी से टिकट प्राप्त कर सकेंगे।

बुजुर्गों और महिलाओं को मिलेगा विशेष लाभ : रेलवे टिकट लेने के लिए अक्सर स्टेशन तक पहुंचना और लंबी लाइन में लगना कई लोगों के लिए परेशानी का कारण बनता है। नई व्यवस्था से बुजुर्ग नागरिकों, महिलाओं, दिव्यांगजनों और नौकरीपेशा लोगों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा यह सुविधा टिकट दलाली और अनधिकृत शुल्क वसूली जैसी समस्याओं पर भी रोक लगाने में मददगार साबित होगी।

सीएसवीटीयू और एमएसएमई टेक्नोलॉजी सेंटर के बीच हुआ एमओयू

छात्रों को मिलेगा उद्योगोन्मुखी प्रशिक्षण, 3D प्रिंटिंग, ऑटोमेशन, सीएनसी जैसी अत्याधुनिक तकनीकों में होगा कौशल विकास

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई और एमएसएमई टेक्नोलॉजी सेंटर, दुर्ग के बीच विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों के कौशल विकास के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। इस एमओयू का उद्देश्य उद्योगोन्मुखी प्रशिक्षण, शोध और परामर्श सेवाओं में सहयोग को बढ़ाना है।

इन अधिकारियों ने किए हस्ताक्षर

समझौते पर सीएसवीटीयू की ओर से कुलसचिव डॉ. अमित सिंह राजपूत और एमएसएमई टेक्नोलॉजी सेंटर की ओर से महाप्रबंधक एल. राजशेखर ने हस्ताक्षर किए।

इन क्षेत्रों में मिलेगा प्रशिक्षण

एमओयू के तहत दोनों संस्थान तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और छात्रों को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षित करने के लिए मिलकर काम करेंगे। एमएसएमई टेक्नोलॉजी सेंटर टूल डिजाइन, CAD/CAM/CAE, सीएनसी प्रोग्रामिंग एवं मशीनिंग, हाइड्रोलिक्स और न्यूमेटिक्स, मेकाट्रॉनिक्स, PLC, SCADA, VLSI, एम्बेडेड सिस्टम्स, औद्योगिक ऑटोमेशन, 3डी प्रिंटिंग और 3डी स्कैनिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों में प्रशिक्षण और तकनीकी विशेषज्ञता देगा।

इसके अलावा पाठ्यक्रम विकास, अतिथि व्याख्यान, संकाय विकास कार्यक्रम, व्यावसायिक प्रशिक्षण, औद्योगिक भ्रमण, इंटर्नशिप और संयुक्त शोध परियोजनाओं का आयोजन भी किया जाएगा।

कुलपति ने बताया महत्वपूर्ण पहल

कुलपति डॉ. अरुण अरोरा ने कहा कि यह समझौता विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी और व्यावहारिक कौशल देने के साथ उद्योग और शिक्षण संस्थानों के बीच प्रभावी समन्वय की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इससे छात्रों को उद्योग विशेषज्ञों के साथ काम करने और नवीनतम तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव मिलेगा।

एमएसएमई टेक्नोलॉजी सेंटर के महाप्रबंधक एल. राजशेखर ने कहा कि यह साझेदारी अकादमिक जगत और उद्योग के बीच की दूरी कम करेगी और विद्यार्थियों को अधिक सक्षम बनाएगी।

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर निदेशक यूटीडी डॉ. पंकज मिश्रा, समन्वयक प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ डॉ. तोरण वर्मा, विवेक मिश्रा, डॉ. पवन पटनायक, उप महाप्रबंधक प्रतिपाल वाहने, वरिष्ठ प्रबंधक डॉ. के. एम. राजन, प्रबंधक अभिनव दास समेत दोनों संस्थानों के अधिकारी, संकाय सदस्य और विद्यार्थी मौजूद रहे।

जीवन में सदा आनंद का अनुभव करने के लिए हर बात में फ्लैक्सिबल रहे

ब्रह्माकुमारीज के आनंद सरोवर बघेरा में प्रख्यात मोटिवेशनल स्पीकर ई. व्ही. स्वामीनाथन का आध्यात्मिक व्याख्यान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के बघेरा स्थित "आनंद सरोवर " के कमला दीदी सभागार में प्रख्यात मोटिवेशनल स्पीकर ई. व्ही. स्वामीनाथन का आध्यात्मिक व्याख्यान हुआ । जीवन के चुनौती पूर्ण रास्तों को सहज कैसे बनाएं।

इसके लिए वे महाभारत के वृतांत के द्वारा सभा को संबोधित करते हुए कहा कि महाभारत का एक-एक पात्र हमें सकारात्मक को अपनाने और नकारात्मकता से दूर रहने की प्रेरणा देता है युधिष्ठिर अर्थात जो मन में आने वाले नकारात्मक और सकारात्मक विचारों में भी जिसका चित स्थिर हो वही युधिष्ठिर है और अर्जुन अर्थात जिसने परमात्मा के द्वारा दिए गए ज्ञान को अर्जन कर यथार्थ मार्ग में चलने का संकल्प लिया । इन पात्रों में कौरव सेना के समस्त लोगों का नाम दुः से प्रारंभ होता है दुयीधन अर्थात धन का दुरुपयोग करने वाला दुःशासन अर्थात जिसने शासन का दुरुपयोग किया हो । भीष्म पितामह के विषय में बोलते हुए आपने कहा हालांकि वे कौरव सेना की ओर से युद्ध में भाग ले रहे थे अपितु उनके मन में विजय का आशीर्वाद पांडवों के प्रति था ।

शिखंडी के विषय में आपने बताया भीष्म को इच्छा मृत्यु का वरदान प्राप्त था किंतु उसे वही मार सकता है जो स्त्री है ना पुरुष है । इसका आध्यात्मिक रहस्य है इस सृष्टि पर रहने वाले सभी मनुष्यों के भीतर निराकार आत्मा है जो कि ना स्त्री है ना पुरुष है सर्व आत्माओं के परमपिता परमात्मा "शिव" है जो कि अभी यह ज्ञान दे रहे हैं की स्वयं को आत्मा निश्चय करो तो दैहिक भान व अभिमान से मुक्त हो जाएंगे और आत्मिक भाव में स्थित होकरजो कर्म करेंगे वह श्रेष्ठ वह सुखदाई ही होगा।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी दुर्ग की संचालिका रीटा दीदी ने स्वामीनाथन भाई के प्रति आभार व्यक्त किया। मंच संचालन व योग अनुभूति रूपाली दीदी ने कराया ।

खास खबर

मनरेगा से दुर्ग जिले की 300 ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य प्रारंभ, वर्षा ऋतु से पहले मिट्टी मूलक कार्य पूर्ण करने के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत दुर्ग जिले की सभी 300 ग्राम पंचायतों में बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य संचालित किए जा रहे हैं। इन कार्यो के माध्यम से जिले के 66 हजार 663 से अधिक ग्रामीण श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराया

जा रहा है। वतर्मान में जिले में 3923 निर्माण कार्य प्रगति पर हैं, जिनसे एक ओर ग्रामीण परिवारों की आजीविका सुदृढ़ हो रही है, वहीं दूसरी ओर जल संरक्षण, भू-जल संवर्धन तथा ग्रामीण अधोसंरचना विकास को भी नई दिशा मिल रही है। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन एवं मुख्य कायर्पालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग बजरंग कुमार दुबे के निर्देशन में जिले में 1 जुलाई 2026 से विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की तैयारी पूर्ण कर ली गई है। साथ ही आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए सभी मिट्टी मूलक निर्माण कार्यो को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

सभी ग्राम पंचायतों में जॉब काडर्धारी श्रमिकों को निरंतर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य कायर्पालन अधिकारियों, कार्यक्रम अधिकारियों एवं मैदानी अमले को श्रमिकों की मांग के अनुरूप तत्काल कार्य उपलब्ध कराने तथा नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। मनरेगा के तहत जिले में अब तक 21 लाख 45 हजार 386 मानव दिवस सृजित किए जा चुके हैं। इसके साथ ही 2093 परिवारों को 100 दिवस का रोजगार उपलब्ध कराया गया है तथा 600 दिव्यांग परिवारों को भी रोजगार से जोड़ा गया है। यह उपलब्धि ग्रामीण परिवारों की आर्थिक सुरक्षा एवं सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

ग्रामीण क्षेत्रों में वर्तमान में अमृत सरोवर निर्माण, नवीन तालाब निर्माण, तालाब गहरीकरण, आजीविका डबरी निर्माण, वाटर हार्वेस्टिंग टैंक (डब्ल्यूएचटी), कच्ची सिंचाई नाली निर्माण सहित अन्य श्रममूलक कार्य प्राथमिकता के साथ संचालित किए जा रहे हैं। इन कार्यो से जल संरक्षण को बढ़ावा मिलने के साथ कृषि उत्पादन क्षमता में वृद्धि तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण भी हो रहा है।

जिले में मनरेगा के तहत कुल 36 करोड़ 29 लाख 70 हजार रुपये की मजदूरी राशि का भुगतान किया जा चुका है। इसमें जनपद पंचायत दुर्ग के श्रमिकों को 11 करोड़ 43 लाख 73 हजार रुपये, जनपद पंचायत धमधा के श्रमिकों को 12 करोड़ 14 लाख 07 हजार रुपये तथा जनपद पंचायत पाटन के श्रमिकों को 9 करोड़ 47 लाख 88 हजार रुपये की राशि उनके बैंक खातों में जमा कराई गई है। इसके अतिरिक्त अन्य क्रियान्वयन एजेंसियों के माध्यम से 2 करोड़ 56 लाख 43 हजार रुपये की मजदूरी राशि का भी भुगतान किया गया है। गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य सुनिश्चित करने के लिए सभी तकनीकी सहायकों को कार्यस्थलों का नियमित निरीक्षण, सूचना बोर्ड स्थापना तथा निर्माण कार्यो की सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे कार्यो की गुणवत्ता और पारदर्शिता बनाए रखने में मदद मिल रही है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि वर्ष 2026-27 में जिले में बड़े पैमाने पर श्रममूलक निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। जनपद पंचायत दुर्ग में 183 निर्माण कार्यो के लिए 1480.18 लाख रुपये, जनपद पंचायत धमधा में 149 निर्माण कार्यो के लिए 1212.84 लाख रुपये तथा जनपद पंचायत पाटन में 249 निर्माण कार्यो के लिए 1984.63 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस प्रकार जिले में कुल 581 निर्माण कार्यो के लिए 4677.65 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सफल कार्यकाल के 12 वर्ष पूर्ण होने पर व्यापारियों से किया संवाद

सुशासन, विकास कार्यो तथा जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों पर विस्तार से की चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सफल कायर्काल के 12 साल बेमिसाल पूर्ण होने के अवसर पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय ने व्यापारियों के साथ संवाद कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्षो के सुशासन, विकास कार्यो तथा जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम के दौरान सामाजिक, धार्मिक एवं चैरिटेबल संस्थाओं के लिए टोकन मनी पर लीज नवीनीकरण किए जाने संबंधी आदेश को लेकर भिलाई स्टील सिटी चैम्बर के अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन ने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय एवं सांसद विजय बघेल के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पिछले 14 वर्षो से उनके मार्गदर्शन में लीज नवीनीकरण के नए नियमों के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे, जिसका सकारात्मक परिणाम सामने आया और सेल बोर्ड द्वारा नया सर्कुलर जारी किया गया, जिससे विभिन्न संस्थाओं एवं हितधारकों को लाभ मिला है।

उपस्थित व्यापारियों ने प्रेम प्रकाश पाण्डेय से आगे भी व्यापारिक हितों में सहयोग एवं मार्गदर्शन बनाए रखने का आग्रह किया। इस अवसर पर प्रेम प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सबका साथ, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ करोड़ों देशवासियों की आकांक्षाओं को नई दिशा और नई उड़ान दी है तथा जनविश्वास को अपनी सबसे बड़ी पूंजी माना है।

कार्यक्रम में रामकुमार गुप्ता, दिनेश सिंघल, राजेश दौड़ी, वेद प्रकाश गुप्ता, युगल खेतान, अजय दीक्षित, मुकेश जैन, शांतनु, रवि, चेतन ताम्रकार, दीपक राव सहित अनेक व्यापारी उपस्थित रहे।

साथ ही गोल्डी सोनी, उपासना साहू, सविता महक, सीमा तिवारी एवं पद्मनाभन भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन सेक्टर-10 व्यापारी संघ के अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी व्यापारी प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यसमिति स्थायी सदस्य रामकुमार गुप्ता ने किया तथा आभार प्रदर्शन पश्चिम मंडल अध्यक्ष गोल्डी सोनी ने किया।

लोक वाद्य कार्यशाला आज से

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कुहुकी एवं लोक रागिती सांस्कृतिक संस्था की ओर से संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से दस दिवसीय लोक वाद्य कार्यशाला - शिविर का आयोजन 14 जून से 23 जून तक किया जा रहा है। कुहुकी कलाग्राम संग्रहालय परिसर मरोदा सेक्टर मैत्री बाग के बाजू में होने वाली इस कार्यशाला के संबंध में लोकवाद्य संग्राहक रिखी क्षत्रिय ने बताया कि यहां खंजेरी, तंबूरा, गतका, तुरही, चरहे, चिटकुली, कुहुकी और रूंजु आदि वाद्य बनाना कार्यशाला में सिखाया जाएगा।

कार्यशाला का उद्घाटन 14 जून को शाम 05 बजे होगा। हर आयुवर्ग विशेषकर युवा इस कार्यशाला में हिस्सा ले सकते हैं। यहां बेल मेटल के लिए बनिया पारा कोंडागांव से शिबू कश्यप, लौह शिल्प के लिए ग्राम दहीकोंगा से रामदास, मिट्टी शिल्प के लिए मरारपारा कोंडागांव से डमरु चक्रधारी, काष्ठ कला के लिए दीपक तारम लोहारा, बिजेलाल, राजनांदगांव जिले से पन्ना लाल डोंगरगढ़ से, रुंझू के लिए गाड़ाडीह से नंद कुमार देवार, डोरे लाल, तंबूरा-रामकुमार पाटिल रनचिरई से प्रशिक्षण देंगे। कायर्शाला रोजाना सुबह 7 से 11 बजे एवं शाम 5 से 8 बजे तक चलेगी। इच्छुक प्रतिभागी इस कार्यशाला में शामिल हो सकते हैं।

उत्तम और जितेन्द्र वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के ट्रस्टी बने

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शहर के विभिन्न सामाजिक धार्मिक व्यापारिक संगठनों के प्रमुख पदों पर कार्यरत समाजसेवी उत्तम भंडारी एवं उधोगपति एवं समाजसेवी जितेन्द्र नाहर को वधर्मान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ का ट्रस्टी मनोनीत किया गया है जिससे जैन समाज में हर्ष और उल्लास का वातावरण बना हुआ है। श्री भंडारी वतर्मान में छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के दुर्ग संभाग अध्यक्ष, तथा चेंबर आफ कामर्स के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप एवं गोतम गुण विहार पाली राजस्थान ट्रस्टी के रुप में अपनी सेवा दे रहे हैं।

उनके इस मनोनयन पर अनेक सामाजिक एवं राजनीतिक दलों के प्रमुख लोगों ने अपनी बधाई प्रेषित की हैं। पूर्व विधायक अरुण वोरा धमर्चंद लोढ़ा, प्रवीण श्रीश्रीमाल, निर्मल बाफना, निर्मल रतन बोहरा, राकेश संचेती, हरीश श्रीश्रीमाल, अशोक रतन बोहरा, पदम् छाजेड़ सहित श्रमण संघ परिवार के सदस्यों ने अपनी बधाई प्रेषित की है।

स्कूल खुलने से पहले वोरा ने कहा - "जर्जर स्कूलों में बच्चों को हादसे का डर, सरकार को नहीं दिख रही बदहाली"

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रदेश में 16 जून से स्कूल खुलने जा रहे हैं, पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा ने दुर्ग के विभिन्न शासकीय विद्यालयों का निरीक्षण कर शिक्षा व्यवस्था की स्थिति उजागर की है.वोरा ने चर्चा के दौरान कहा कि शिक्षा व्यवस्था पहले से ही शिक्षकों की कमी और प्रशासनिक अव्यवस्था से जूझ रही है।

उन्होंने बताया कि दुर्ग जिले में लगभग 1100 सहायक शिक्षकों, 250 स्वामी आत्मानंद विद्यालयों से जुड़े शिक्षकीय पदों तथा 340 स्कूलो में मरम्मत की आवश्यक स्वीकृतियों के संबंध में लंबे समय से प्रक्रिया लंबित है। जर्जर भवन, टपकती छतें, टूटता प्लास्टर, बदहाल शौचालय और सुरक्षा के नाम पर शून्य व्यवस्था—ये तस्वीरें शिक्षा व्यवस्था की हैं. कई क्षेत्रों में भवन निर्माण एवं मरम्मत कार्यो के लिए पर्याप्त राशि उपलब्ध नहीं होने के कारण विद्यालयों की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है ।उन्होंने शासन एवं शिक्षा विभाग से इन समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग की।

निरीक्षण के दौरान पोटिया, झुग्गीपारा और बोरसीभाठा के स्कूलों में गंभीर खामियां मिलीं, जिनसे सैकड़ों विद्यार्थियों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए हैं ।पोटिया शासकीय विद्यालय में स्थिति सबसे चिंताजनक पाई गई। विद्यालय भवन को खतरनाक घोषित कर हटाने की मांग पिछले तीन वर्षो से की जा रही है, लेकिन जिम्मेदार विभागों ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की। बरसात में स्कूल परिसर में तीन फीट तक पानी भर जाता है, जिससे करीब 250 विद्याथिर्यो को हर साल भारी परेशानी झेलनी पड़ती है ।झुग्गीपारा शासकीय विद्यालय में एक माह पहले कक्षा कक्ष में आग लगने की घटना हुई थी, लेकिन आज तक क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत नहीं हुई ।260 विद्यार्थी उसी परिसर में पढ़ाई करने वाले हैं। बोरसीभाठा विद्यालय की स्थिति भी किसी खंडहर से कम नहीं मिली। कक्षाओं में पानी का रिसाव, छत से झड़ता प्लास्टर और बदहाल शौचालय छात्रों को असुरक्षित माहौल में पढ़ने के लिए मजबूर कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने भी आशंका जताई कि यदि समय रहते मरम्मत नहीं हुई तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है ।वोरा ने कहा कि बरसात का मौसम शुरू होने वाला है, लेकिन अनेक स्कूलों की छतें टपक रही हैं, दीवारों में दरारें हैं। ऐसे में सरकार को सबसे पहले स्कूल भवनों की मरम्मत, सुरक्षा व्यवस्था पर ध्यान देना चाहिए।

निरीक्षण के बाद वोरा ने जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा से दूरभाष पर चर्चा कर तत्काल मरम्मत और वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि स्कूलों की यह बदहाल स्थिति भाजपा सरकार की प्राथमिकताओं पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है ।वोरा ने आरोप लगाया कि सरकार विज्ञापनों और सरकार में मंत्र और अन्य गतिविधियों को लेकर निर्देश जारी करने में व्यस्त है.उन्होंने मांग की स्कूल खुलने से पहले राज्यभर के जर्जर स्कूल भवनों का सर्वे कराया जाए और जहां खतरा है वहां तत्काल मरम्मत या वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा किसी भी सरकार की पहली जिम्मेदारी होनी चाहिए और इस मामले में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती। निरीक्षण के दौरान भोजराम यादव, अनुप चंदिया, संतोष चंदिया, ज्ञानदास बंजारे, राकेश साहू एवं सुधीर चंदेल सहित अन्य कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

भाजपा किसान मोर्चा की जैविक खेती पर कार्यशाला, किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने दिया संदेश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल 12 वर्षो के कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित "12 साल बेमिसाल" कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत भाजपा किसान मोर्चा दुर्ग एवं भिलाई जिला के संयुक्त तत्वावधान में कृषि विज्ञान केंद्र, अंजोरा में एक दिवसीय जैविक खेती कार्यशाला का आयोजन किया गया। कायर्शाला में किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती की उपयोगिता, आधुनिक तकनीकों तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल, भाजपा प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा, भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आलोक ठाकुर, जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, महापौर अलका बाघमार, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य माया बेलचंदन एवं पदमा देवांगन, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष रोहित राजपूत, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

कार्यशाला में कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को जैविक खेती की आधुनिक तकनीकों, मिट्टी की उर्वरता संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग तथा जैविक उत्पादों के महत्व की विस्तृत जानकारी दी। उपस्थित किसानों ने प्राकृतिक एवं जैविक खेती को अपनाकर स्वस्थ मिट्टी, समृद्ध किसान और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया।

सांसद विजय बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती किसानों की आय बढ़ाने, भूमि की गुणवत्ता सुधारने तथा स्वास्थ्यवर्धक खाद्यान्न उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। किसानों को जैविक खेती अपनाकर कृषि को अधिक टिकाऊ एवं लाभकारी बनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक ठाकुर ने कहा कि अधिक उत्पादन की होड़ में पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। प्राकृतिक खेती लागत कम करने के साथ-साथ मिट्टी, जल और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने किसानों से रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम कर जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का आग्रह किया।

जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि जैविक खाद भूमि की उवर्रा शक्ति बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का प्रभावी माध्यम है। इसके उपयोग से उत्पादन लागत कम होती है और किसानों को गुणवत्तापूर्ण उपज प्राप्त होती है। उन्होंने जैविक खेती को जनआंदोलन का स्वरूप देने पर बल दिया।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि जैविक खेती वतर्मान समय की आवश्यकता बन चुकी है। रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से भूमि की उर्वरता प्रभावित हो रही है, जबकि जैविक खेती भूमि, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण का संकल्प तभी साकार होगा, जब कृषि क्षेत्र आत्मनिर्भर और टिकाऊ बनेगा। उन्होंने किसानों से गोबर खाद सहित पारंपरिक संसाधनों का अधिकाधिक उपयोग करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम को भाजपा प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष रोहित राजपूत, डॉ. डुमेश कुमार साहू, डॉ. रोशन साहू, निशा शर्मा एवं उमेश पटेल ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन किसान मोर्चा जिला महामंत्री अजीत चंद्राकर ने किया। इस अवसर पर किसान मोर्चा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में कृषक बंधु उपस्थित रहे।

राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता : मंत्री राजवाड़े

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने किया जनसंपर्क, ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित समाधान के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर जिले के भटगांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कमलपुर, पहाड़गांव एवं पण्डोनगर का दौरा कर ग्रामीणों से सीधे संवाद स्थापित किया। डोर-टू-डोर जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान उन्होंने घर-घर पहुंचकर ग्रामीणों से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व तथा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में केंद्र एवं राज्य सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान और समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि

योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और कोई भी पात्र हितग्राही वंचित न रहे।

जनसंपर्क अभियान के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने ग्रामीणों से विभिन्न विषयों पर चर्चा

की और उनकी समस्याओं एवं शिकायतों की जानकारी ली। ग्रामीणों द्वारा सड़क, पेयजल, बिजली, आवास तथा अन्य स्थानीय आवश्यकताओं से संबंधित मुद्दे उठाए गए, जिन पर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई एवं त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि शासन जनता की समस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशील है और प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को जनसरोकारों से जुड़े विषयों पर सतत निगरानी रखते हुए लोगों को राहत पहुंचाने के निर्देश भी दिए गए।

इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, स्थानीय प्रशासन के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। जनसंपर्क कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों ने शासन की योजनाओं और विकास कार्यों के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए मंत्री श्रीमती राजवाड़े का स्वागत किया।

खास खबर

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान बनीं महक नरवासे : मुख्यमंत्री साय ने किया सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजनांदगांव जिले की प्रतिभाशाली युवा क्रिकेटर सुश्री महक नरवासे ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह तथा सांसद बृजमोहन अग्रवाल उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने भारतीय महिला अंडर-19 क्रिकेट टीम के आगामी श्रीलंका दौरे के लिए टी-20 एवं वनडे दोनों टीमों का उपकप्तान नियुक्त किए जाने पर सुश्री महक नरवासे को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर महक का सम्मान किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महक नरवासे की यह उपलब्धि केवल उनके परिवार या राजनांदगांव जिले की नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की बेटियां आज खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं और राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान बना रही हैं। महक ने अपनी मेहनत, अनुशासन और समर्पण के बल पर यह मुकाम हासिल किया है, जो प्रदेश के युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणादायी है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि महक आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ और देश का नाम गौरवान्वित करेंगी। उन्होंने महक को प्रोत्साहित करते हुए कहा, "खूब खेलो, आगे बढ़ो और नई ऊंचाइयों को छुओ। आपकी सफलता प्रदेश के हजारों युवा खिलाड़ियों के सपनों को नई उड़ान देगी।"

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। महक नरवासे का भारतीय अंडर-19 महिला टीम की उपकप्तान के रूप में चयन प्रदेश में विकसित हो रहे खेल वातावरण और खिलाड़ियों को मिल रहे अवसरों का उत्कृष्ट उदाहरण है। सुश्री महक नरवासे ने सम्मान एवं शुभकामनाओं के लिए मुख्यमंत्री श्री साय के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उनके पिता राधेश्याम नरवासे, महापौर मधुसूदन यादव, कोच मनोज तिवारी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

केंद्र-राज्य समन्वय से विकास को मिलेगी नई गति : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का शाल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय एवं निरंतर संवाद की भावना ने विकास कार्यों को नई गति प्रदान की है। इसी सहयोगात्मक दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि केंद्र और राज्य के बीच मजबूत साझेदारी से अधोसंरचना विकास, उद्योग, रोजगार, कौशल विकास तथा जनसेवा से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आपसी सहयोग और समन्वय से छत्तीसगढ़ के विकास को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने में सहायता प्राप्त होगी।

प्रदेश के स्वास्थ्य सेवाओं में हुई व्यापक विस्तार से स्वास्थ्य सेवाएं हुई सुदृढ़ : मुख्यमंत्री साय

एनएचएम कर्मचारी संघ के प्रदेश स्तरीय महासम्मेलन में शामिल हुए मुख्यमंत्री

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित छत्तीसगढ़ प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कर्मचारी संघ के प्रदेश स्तरीय महासम्मेलन में शामिल होकर एनएचएम कर्मचारियों को बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री ने इस दौरान एनएचएम कर्मियों के 33 दिनों की हड़ताल अवधि का वेतन दिए जाने की घोषणा की। उन्होंने एनएचएम कर्मचारियों को स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ की हड्डी बताते हुए कहा कि प्रदेश के दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। श्री साय ने कहा कि स्वस्थ छत्तीसगढ़ के निर्माण में एनएचएम कर्मियों का योगदान अतुलनीय है और सरकार उनके कार्यों का सम्मान करती है।

मुख्यमंत्री ने कोरोना महामारी के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा निभाई गई भूमिका को याद करते हुए कहा कि जब पूरी दुनिया संकट में थी, तब एनएचएम के अधिकारी और कर्मचारी अपनी जान की परवाह किए बिना लोगों की सेवा में जुटे रहे। उन्होंने कहा कि उस कठिन समय में स्वास्थ्य कर्मियों ने मानवता की मिसाल पेश की, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि आज भी प्रदेश के ऐसे क्षेत्रों में, जहां सड़कें और परिवहन सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, स्वास्थ्य कर्मी पैदल चलकर, नदी-नाले पार कर लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से बस्तर क्षेत्र में संचालित मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान का उल्लेख करते हुए बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव-गांव पहुंचकर लोगों की स्वास्थ्य जांच कर रही है और अब तक लगभग 90 प्रतिशत आबादी की स्क्रीनिंग पूरी की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन तथा सुरक्षा बलों के साहसिक प्रयासों से बस्तर में नक्सलवाद का उन्मूलन हुआ है। अब वहां विकास और जनकल्याण की नई संभावनाएं खुल रही हैं, जिनमें स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार सबसे महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने पिछले ढाई वर्षों में प्रदेश के स्वास्थ्य सेवाओं में हुए व्यापक विस्तार के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में नए मेडिकल कॉलेज खोलने से लेकर डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ की भर्ती से स्वास्थ्य सेवाएं सुदृढ़ हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार स्वास्थ्य कर्मियों के साथ मजबूती से खड़ी है और सभी के सहयोग से विकसित एवं स्वस्थ छत्तीसगढ़ का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कमर्चारियों से इसी समर्पण और सेवा भावना के साथ कार्य करते रहने का आह्वान किया।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि जशपुर से लेकर सुकमा तक प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने में एनएचएम कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने बताया कि स्वस्थ बस्तर अभियान का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने कमर्चारियों के लिए की गई विभिन्न घोषणाओं और सुविधाओं की जानकारी देते हुए बताया कि एनएचएम कर्मचारियों की कई मांगें पूरी की जा चुकी हैं तथा स्थानांतरण नीति भी जारी कर दी गई है। उन्होंने कहा कि अब एनएचएम कर्मचारी भी कैशलेस उपचार योजना के दायरे में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि एनएचएम कर्मियों के लिए जीवन बीमा सुविधा लागू की गई है, जिसके तहत सामान्य मृत्यु की स्थिति में 6 लाख रुपये, दुर्घटना में मृत्यु होने पर 1 करोड़ 40 लाख रुपये तथा स्थायी दिव्यांगता की स्थिति में 1 करोड़ 40 लाख रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी। श्री जायसवाल ने कहा कि प्रदेश में मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर में लगातार कमी आई है और नर्सों की भर्ती प्रक्रिया जारी है। शिशु और मातृ मृत्यु दर में कमी के लिए विशेषीकृत 116 नए स्वास्थ्य केंद्रों के लिए स्थानों का चयन किया जा चुका है।

सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा हड़ताल अवधि का वेतन देने की घोषणा के बाद एनएचएम कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों और कमर्चारियों ने गजमाला पहनाकर उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम में विधायक पुरंदर मिश्रा, मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ. धीरेंद्र तिवारी तथा एनएचएम कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डॉ. अमित कुमार मिरी सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

धौरपुर में 4.49 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा नवीन शासकीय महाविद्यालय भवन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सरगुजा जिले के विकासखंड लुण्ड्रा अंतर्गत ग्राम धौरपुर में 4 करोड़ 49 लाख 45 हजार रुपये की लागत से निर्मित होने वाले नवीन शासकीय महाविद्यालय भवन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक श्री मिंज द्वारा विधिवत पूजा-अचर्ना एवं भूमि पूजन के साथ किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य युगल किशोर कुजूर सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने उनका आत्मीय स्वागत किया।

अपने संबोधन में विधायक श्री मिंज ने कहा कि नवीन महाविद्यालय भवन का निर्माण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के नए अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यह भवन केवल एक आधारभूत संरचना नहीं, बल्कि क्षेत्र के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थी अपने सपनों को साकार कर सकेंगे और समाज व राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

उन्होंने बताया कि भवन में आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं के साथ प्रयोगशाला, पुस्तकालय, स्मार्ट कक्षाएं तथा छात्राओं के लिए पृथक शौचालय जैसी व्यवस्थाएं उपलब्ध होंगी। इससे धौरपुर एवं आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूरस्थ स्थानों पर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

विधायक ने शिक्षकों से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने का आग्रह करते हुए ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों से महाविद्यालय परिसर की स्वच्छता, सुरक्षा एवं हरित वातावरण बनाए रखने में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

सीएम की तारीफ का बड़ा असर – सोशल मीडिया पर वीडियो देख रायपुर से जीपीएम पहुंचे ग्राहक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा छत्तीसगढ़ के स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के प्रयासों का असर अब जमीनी स्तर पर दिखने लगा है। सुशासन तिहार के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले के पारंपरिक विष्णु भोग चावल की तारीफ किए जाने के बाद इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। हालत यह है कि अब जिले के बाहर से भी लोग इस विशेष सुगंधित चावल को खरीदने के लिए उत्पादकों तक सीधे पहुंच रहे हैं।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मरवाही विकासखंड की ग्राम पंचायत निमधा में आयोजित जनचौपाल के दौरान स्थानीय किसानों और महिला समूहों द्वारा उपजाए गए विष्णु भोग चावल की विशेष सराहना की थी। मुख्यमंत्री के इस संबोधन का वीडियो सोशल मीडिया पर

जमकर वायरल हुआ। इसी वीडियो को देखकर रायपुर निवासी अजय कुमार इस पारंपरिक चावल की विशेषताओं और गुणवत्ता से इतने प्रभावित हुए कि वे अपने साथियों के साथ सीधे गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले पहुंच गए।

कलेक्टर की मौजूदगी में 7 हजार की सीधी खरीदी

जिले में पहुंचे इन ग्राहकों ने कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन की विशेष उपस्थिति में तिपान महिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से सीधे 50 किलोग्राम विष्णु भोग चावल की खरीदी की। इस खरीदी की कुल कीमत 7 हजार रुपये रही। रायपुर से आए ग्राहकों ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा उत्पाद की तारीफ किए जाने के बाद ही उनकी रुचि इस चावल के प्रति जगी थी और वे खुद इसकी सुगंध और स्वाद का अनुभव करना चाहते थे। उन्होंने भविष्य में भी इस चावल की खरीदी जारी रखने की बात कही।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिल रही है मजबूती

इस मौके पर तिपान महिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के मुख्य कायर्पालन अधिकारी (सीईओ) ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताते हुए कहा कि स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की राज्य सरकार की नीति रंग ला रही है। इससे किसानों, महिला स्व-सहायता समूहों और उत्पादक संगठनों को सीधा आर्थिक लाभ मिल रहा है और उनके लिए बाजार के नए रास्ते खुल रहे हैं।

कृषि समृद्धि का नया प्रतीक बना विष्णु भोग

अपनी विशिष्ट सुगंध, बेहतरीन स्वाद और उच्च गुणवत्ता के लिए पहचाना जाने वाला विष्णु भोग चावल अब सिर्फ एक स्थानीय फसल नहीं, बल्कि जिले की कृषि समृद्धि और महिला उद्यमिता का एक सफल ब्रांड बनकर उभर रहा है। मुख्यमंत्री की इस अनूठी पहल से किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिलने की उम्मीदें काफी मजबूत हो गई हैं।

साहस, समर्पण और राष्ट्रसेवा की मिसाल बने जवानों को विजय शर्मा ने दी बधाई व शुभकामनाएं

नई दृष्टिबिंदु / 00000

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के हाथों शौर्य चक्र से सम्मानित वीर पुलिस एवं सुरक्षा बल के जवानों से उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने अपने नवा रायपुर अटल नगर स्थित निवास कार्यालय में आत्मीय मुलाकात कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर डीजीपी अरुण देव गौतम सहित जवानों के परिजन एवं परिवार के सदस्य भी उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ और देश को ऐसे वीर सपूतों पर गर्व है, जिन्होंने अपने अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति का परिचय देते हुए असाधारण परिस्थितियों में भी वीरता का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि इन जवानों की बहादुरी आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

योगदान में परिवारों का त्याग, समर्थन भी उतना ही महत्वपूर्ण

मुलाकात के दौरान श्री शर्मा ने शौर्य चक्र से सम्मानित इंस्पेक्टर लक्ष्मण केवट, इंस्पेक्टर

रामेश्वर प्रसाद देशमुख तथा राइफलमैन भोज राम साहू के साहसिक कार्यों की सराहना की और उनके परिजनों से भी मुलाकात की और सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश सेवा के इस गौरवपूर्ण योगदान में परिवारों का त्याग और समर्थन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने जवानों के अदम्य साहस भरी घटनाओं के बारे में भी उनसे जानकारी ली।

कठिन परिस्थितियों में किया नक्सलियों का मुकाबला

ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ पुलिस के इंस्पेक्टर लक्ष्मण केवट एवं इंस्पेक्टर रामेश्वर प्रसाद देशमुख को 16 अप्रैल 2024 को कांकेर क्षेत्र में नक्सलियों के विरुद्ध संचालित एक बड़े अभियान में अद्वितीय नेतृत्व, साहस और रणनीतिक कौशल का परिचय देने के लिए शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया है। उनके नेतृत्व में सुरक्षा बलों ने कठिन परिस्थितियों में नक्सलियों का मुकाबला करते हुए महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की थी।

गंभीर रूप से घायल होकर भी अदम्य साहस के साथ संभाला मोर्चा

इसी प्रकार 3 असम राइफल्स के राइफलमैन

भोज राम साहू को भारत-म्यांमार सीमा क्षेत्र में घुसपैठ विरोधी अभियान के दौरान गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद अदम्य साहस के साथ मोर्चा संभालते हुए दुश्मनों को पीछे हटने के लिए मजबूर करने और अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार सुरक्षा बलों के जवानों के सम्मान, कल्याण और उनके परिवारों की सुरक्षा के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने सम्मानित जवानों एवं उनके परिजनों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनका साहस और बलिदान राष्ट्र सेवा का सर्वोच्च उदाहरण है।

संपादकीय

आलाकमान का दबदबा कम हो गया है

सबसे बड़ा नेता या आलाकमान तो हर राजनीतिक दल मे होता है। यानी ऐसा नेता जिसने कुछ कह दिया,कर दिया तो उसका पालन करना ही होगा। पालन होता है तो माना जाता है कि आलाकमान का दबदबा है,सम्मान है,पार्टी में अनुशासन है, आस्था है, विश्वास है,भरोसा है कि आलाकमान जो कहता है या कहता है वह पार्टी हित में होता है, उससे ही पार्टी का भला हो सकता है।उसका विरोध कोई किसी तरह से नहीं करता है कोई करता है तो उसे इस गुस्ताखी की सजा जरूर मिलती है क्योंकि यह आलाकमान की इज्जत की बात होती है। किसी भी वजह से आलाकमान की बात न मानी जाए,यह आलाकमान की बेइज्जती समझी जाती है। आलाकमान ने तय कर दिया कि कोई नेता किसी प्रदेश से राज्यसभा में भेजा जाएगा। तो इस पर हर हाल में अमल होना चाहिए,अमल हो तो माना जाएगा कि आलाकमान की बात मानी गई,आलाकमान की पार्टी में दबदबा है, नहीं मानी जाती है तो माना जाता है कि आलाकमान की दबदबा कम हो रहा है।

राज्यसभा किस नेता को किस प्रदेश से भेजा जाना है,कांग्रेस में यह तय राहुल गांधी करते हैं। वही अघोषित आलाकमान है,वही अघोषित सबसे बड़े नेता है, उन्होंने तय कर दिया कि मप्र में मीनाक्षी नटराजन को राज्य सभा में भेजा जाना है। फिर तो यह मप्र के सब कांग्रेस नेताओं व संगठन की महती जिम्मेदारी है कि वह ऐसा करके दिखाए। ऐसा होना ही चाहिए था क्योंकि कांग्रेस के पास इसके लिए पर्याप्त संख्या बल था। इसके बाद भी कांग्रेस नेताओं की किसी लापरवाही की वजह से मीनाक्षी नटराजन का नामांकन ही कोई जानकारी न दिए के आधार पर रद्द कर दिया जाए तो यह कांग्रेस नेताओं की गलती मानी चाहिए लेकिन कांग्रेस के नेता इसके लिए भाजपा को दोषी ठहरा रहे हैं कि भाजपा ने शिकायत की नामांकन में कोई जरूरी जानकारी नहीं दी गई इसलिए नामांकन रद्द कर दिया। नामांकन में यह जानकारी कैसे नहीं दी गई। क्यों नहीं दी गई और भाजपा को नहीं दी जाने वाली जानकारी किसने दी। माना जा रहा है कि यह जानकारी भाजपा को कांग्रेस के किसी नेता या नेताओं ने दी है ताकि भाजपा शिकायत करे और मीनाक्षी नटराजन का नामांकन ही रद्द हो जाए। यानी मीनाक्षी मप्र से राज्यसभा में जा ही न सके।

सीधी सी बात है कि कांग्रेस आलाकमान चाहता था कि उनकी खास नेता मप्र से राज्यसभा में जाए और मप्र व तेलंगाना के कुछ कांग्रेस नेता नहीं चाहते थे कि मीनाक्षी मप्र से राज्यसभा में जाए। क्योंकि उनसे कांग्रेस नेताओं की पुरानी खुन्नस है, मौका मिला और उन्होंने मीनाक्षी को बता दिया कि हम भी क्या कर सकते हैं। आलाकमान मीनाक्षी को राज्यसभा में चाहकर भी नहीं भेज सका और कांग्रेस के कुछ नेताओं ने चाहा कि मीनाक्षी राज्यसभा में न जा सके और वह अपनी कोशिश मे सफल रहे। इससे साफ हो जाता है कि कांग्रेस में आलाकमान की बात आंखमुंदकर मानने वालों की संख्या राज्यों में कम होती जा रही है। कांग्रेस आलाकमान का मालूम है या बताने वालों ने बता दिया होगा कि मीनाक्षी राज्यसभा में नहीं जा सकीं तो उसके लिए कौन से कांग्रेस नेता दोषी है लेकिन आलाकमान जाहिर तौर पर उनके खिलाफ कुछ कह नहीं सकता, कुछ कर नहीं कर सकता क्योंकि इससे फजीहत तो आलाकमान की ही होनी है कि कांग्रेस में आलाकमान की बात भी अब मानी नहीं जा रही है।

ऐसा नहीं है कि यह कोई पहला ऐसा मामला है जिससे संकेत मिलता है कि कांग्रेस आलाकमान का दबदबा अब कम हो रहा है यानी राज्य के बड़े नेता वह नहीं कर रहे हैं जो आलाकमान चाहता है। इसकी शुरुआत केरल से देखी जा सकती है, आलाकमान केरल में सीएम वेणुगोपाल को बनाना चाहता था, इसके लिए दस दिन तक सतीशन पर हर तरह से मनाने का प्रयास किया गया लेकिन सतीशन नहीं माने और आलाकमान को मजबूरी में सतीशन को सीएम बनाना पड़ा। कांग्रेस में पहली बार ऐसा हुआ कि आलाकमान जिसे सीएम बनाना चाहता था,वह नहीं बना, आलाकमान जिसे नहीं चाहता था वह सीएम बन गया। इसके बाद कर्नाटक में छह माह से सिध्दारमैया सीएम कुर्सी छोड़ नहीं रहे थे जबकि आलाकमान चाहता था कि वह स्वेच्छा से सीएम की कुर्सी छोड़ दें। आलाकमान को कहना पड़ा तब सिध्दारमैया ने सीएम की कुर्सी छोड़ी और आलाकमान के वादे के अनुसार शिवकुमार सीएम बन सके। सिध्दारमैया ने कुर्सी छोडने.के बाद कहा भी आलाकमान के कहने पर कुर्सी छोड़ दिया हूं। लेकिन वह आलाकमान का यह कहना मानने से इंकार कर दिया कि वह दिल्ली की राजनीति करें और राज्य की राजनीति शिवकुमार को करने दें। उन्होंने आलाकमान से साफ कह दिया कि वह राज्य में ही रहेंगे और राज्य की राजनीति करेंगे यानी शिवकुमार को आने वाले दिनों में परेशान करते रहेंगे।

राहुल गांधी कहते हैं कि पीएम मोदी कमजोर नेता हैं लेकिन हकीकत में पीएम मोदी तो पार्टी के सबसे बड़े नेता होने के साथ ही गठबंधन के बड़े नेता है, देश के बड़े नेता हैं और विश्व के बड़े नेताओं में से एक हैं। पीएम मोदी की तुलना में राहुल गांधी तो इतने कमजोर नेता हैं कि अपनी पसंद की एक नेता को राज्यसभा में नहीं भेज पाते हैं कांग्रेस के कुछ नेता ही ऐसी साजिश करते हैं कि उनकी पसंद की नेता का नामांकन रद्द हो जाता है। वह राज्यसभा नहीं जा पाती है और राहुल गांधी अपनी कमजोरी को छिपाने के लिए भाजपा पर आरोप लगाते हैं कि उसके कारण ऐसा हुआ है। वह हमेशा की तरह अपनी कमजोरी को छिपाने के लिए भाजपा पर आरोप लगाते हैं, इस बार उनका आरोप है कि वोट चोरी,सरकार चोरी के बाद अब सीट चोरी के जरिए चुनाव के पहले ही मुकाबला खत्म कर दिया गया है। भाजपा और चुनाव आयोग के रहते कांग्रेस के कई नेता राज्यों से राज्यसभा में गए हैं, इससे राहुल गांधी के आरोप में कोई दम नहीं रह जाता है कि मप्र में जो कुछ हुआ उसके लिए महज भाजपा दोषी है।

लव जिहाद – हिंदू बेटियों को लील रहा है

अशोक भाटिया

लव जिहाद, नाम आज कल आम हो गया है अबतक आप कभी कभार देश में लव जिहाद के किस्से सुनते आए होंगे। लव जिहाद का ये जिन्न केरल में एक हिंदू लड़की और एक मुस्लिम लड़के के विवाह से उत्पन्न हुआ था। अब तो लव जिहाद का जाल पूरे देश में फैल चुका है, देशभर के थाने में ऐसी हजारों शिकायतें दर्ज की गई हैं, लाखों हिंदू लड़कियां इस साजिश का शिकार हो गई हैं, अपना सब कुछ खो चुकी हैं वे बैठे हैं। जिसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी, आईएएस अधिकारी, डॉक्टर, वकील, अभिनेत्रियां शामिल हैं। प्रेम विवाह से पैदा हुआ है, जिसकी जांच देश में आतंकवादी घटनाओं की पड़ताल करने वाली नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी यानी एनआईए को सौंपी गई है। लव जिहाद दो शब्दों से मिलकर बना है। अंग्रेजी भाषा का शब्द लव यानी प्यार, मोहब्बत, इश्क और अरबी भाषा का शब्द जिहाद। जिसका मतलब होता है किसी मकसद को पूरा करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देना। यानी जब एक धर्म विशेष को मानने वाले दूसरे धर्म की मतलब होता है किसी मकसद को पूरा करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देना। यानी जब एक धर्म विशेष को मानने वाले दूसरे धर्म की लड़कियों को अपने प्यार के जाल में फंसाकर उस लड़की का धर्म परिवर्तन करवा देते हैं तो इस पूरी प्रक्रिया को लव जिहाद कहा जाता है।

अब अगर आप लव जेहाद का मतलब समझ गए हैं तो आपको ये भी बता दें कि अबतक लव जेहाद शब्द को कानूनी मान्यता प्राप्त नहीं थी। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने मान लिया है कि लव जिहाद होता है और मुस्लिम युवक हिंदू लड़कियों को अपने प्यार के जाल में फंसाकर उनका धर्म परिवर्तन करवाकर लव जेहाद करते हैं। इसकी शुरुआत तब हुई जब केरल हाईकोर्ट ने 25 मई को हिंदू महिला अखिला अशोकन की शादी को रद्द कर दिया था। अखिला अशोकन ने दिसंबर 2016 में मुस्लिम शख्स शफीन से निकाह किया था। आरोप है कि निकाह से पहले अखिला ने धर्म परिवर्तन करके अपना नाम हादिया रख लिया। जिसके खिलाफ अखिला उर्फ हादिया के माता-पिता केरल हाईकोर्ट पहुंचे। जिन्होंने आरोप लगाया कि उनकी बेटी को आतंकवादी संगठन आईएसआईएस में फिदायीन बनाने के लिए लव जेहाद का सहारा लिया गया। जिसके बाद केरल हाईकोर्ट ने अखिला उर्फ हादिया और शफीन के निकाह को रद्द कर दिया। लेकिन अखिला उर्फ हादिया के पति शफीन ने केरल हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

अब तो यह भी साबित हो चुका है कि लव जिहाद की शिकार लड़कियों को फिर खाड़ी देशों में बेच दिया जाता है, आतंकवादी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जाता है या उनके अंगों की तस्करी की जाती है। और ऐसी ही दो फिल्में आईं और चली गईं, उनका सीक्वल। लव जिहाद की शिकार लड़कियों के कई वीडियो आज यूट्यूब पर उपलब्ध हैं। लव जिहाद के खतरे को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने सबसे पहले राज्य में लव जिहाद विरोधी कानून बनाकर कारवाई शुरू की। हिंदू समर्थक संगठनों के लगातार अनुनय के कारण महाराष्ट्र में भी जबरन एक कानून बनाया गया। हमने फिल्म द केरल स्टोरी में देखा है कि न सिर्फ युवा लड़के बल्कि लड़कियां भी लव जिहाद नाम की एक कट्टरपंथी साजिश में शामिल हैं, अब इस बात के सबूत सामने आ गए हैं।

उत्तर प्रदेश के शामली जिले के एक करोड़पति व्यापारी के धर्मांतरण का मामला हाल ही में एक मुस्लिम जिम ट्रेनर द्वारा सामने आया है। शामली जिला केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष देवराज मलिक जिले के एक प्रसिद्ध व्यवसायी हैं। उनके इकलौते बेटे, आयुष मलिक ने बी-फार्मा की पढ़ाई की है और अपनी खुद की मेडिकल प्रैक्टिस चला रहा है। 5 साल पहले, उन्होंने अपने निवास स्थान के पास कुरैशी प्लस शुरू किया था। मैंने नाम नामक जिम में जाना शुरू कर दिया।

आयुष, जो एक करोड़पति है, को स्थानीय जिम ट्रेनर चांदनी कुरैशी ने प्यार के जाल में फंसा दिया था। 4 साल पहले, उसने चुपके से उसे इस्लाम में परिवर्तित कर दिया और उससे शादी कर ली। आयुष के परिवार को इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। पिछले 6 महीनों से, आयुष को अपने व्यवहार में अचानक बदलाव का अनुभव होने लगा। उसने दाढ़ी बढ़ा ली। कुर्ता पायजामा और सिर पर गोल टोपी पहने वह न सिर्फ दुकान में बैठकर मस्जिद भी जाता था और दिन में पांच बार नमाज पढ़ता था।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद हिंदू संगठनों ने जिम ट्रेनर चांदनी कुरैशी के घर के सामने विरोध प्रदर्शन किया। आयुष के पिता देवराज मलिक ने शनिवार रात शामली पुलिस स्टेशन पहुंचकर चांदनी कुरैशी और उनके परिवार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। उन पर जबरन वसूली और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। यूनानी आक्रमणकारी भारत आए, जहां सोने का धुआं बन रहा था, और उन्होंने भारत की सारी महिमा लूट ली, इसके प्राचीन मंदिरों को ध्वस्त कर दिया, उस पर मस्जिदें बनवाईं, इसकी संस्कृति के निशान मिटा दिए, तलवार से धर्मांतरण किया और महिलाओं और पिताओं को प्रताड़ित किया। उन्हें हरम में डाल दिया गया। यहां के बहादुर योद्धाओं ने यवनीस आक्रमणकारियों का कड़ा विरोध किया। जो अंग्रेज आगे आए, उन्होंने भारत के गौरव के अवशेषों को भी लूट लिया। हमारे देशभक्त क्रांतिकारियों ने उन्हें अपने परिवारों पर तुलसी के पत्ते रखकर भारत छोड़ने के लिए मजबूर किया।

भारत को हर तरह की गुलामी से आजाद कराया गया है, लेकिन जो कट्टरपंथी अपने धर्म को बढ़ाना चाहते हैं, वे आज भी इस देश में घूम रहे हैं। लव जिहाद, स्पंक जिहाद, लैंड जिहाद, कॉरपोरेट जिहाद जैसे कई जिहाद विभिन्न क्षेत्रों में पाए जाते हैं, जहां भी उन्हें मिलता है, वहां शिकार की तलाश में वे हिंदुओं का नरसंहार करने और अपने धर्म को बढ़ाने के लिए लव जिहाद जैसी साजिश रचे हैं। जिसके जरिए भोली हिंदू लड़कियों को फंसाया जा रहा है।

माता-पिता अपनी बेटी को प्यार से पालते हैं, उसे अच्छी शिक्षा देते हैं और चाहते हैं कि उसका भविष्य सुरक्षित और खुशहाल हो। जब वह यौवन के बाद अपना साथी चुनती है, तो कभी-कभी माता-पिता को स्वीकार करना मुश्किल होता है, लेकिन सही संचार के साथ, कई चीजें स्पष्ट हो सकती हैं। भ्रामक या गलत रिश्ते परेशानी का कारण बन सकते हैं। ऐसे में पूरा परिवार मानसिक परेशानी से जूझ रहा है। इसलिए माता-पिता और बच्चों के बीच विश्वास, संचार और समझ होना बहुत जरूरी है। आज के समय में सोशल मीडिया और अन्य मीडिया रिश्तों को तेजी से बनाते हैं, इसलिए युवाओं के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे किसी भी रिश्ते में जल्दबाजी किए बिना सही सोच, सुरक्षा और आपसी सम्मान पर ध्यान दें। ऐसे मुद्दों को कानून के दायरे में देखना भी जरूरी है।

किसी भी माता-पिता के लिए यह जानना दिल दहला देने वाला है कि एक बेटी जो अपनी बेटी के लिए प्यार के साथ पली-बढ़ी है, वह किसी के धोखे का शिकार हो जाती है और अपने माता-पिता की अवहेलना करके इस्लाम में परिवर्तित हो जाती है। उनमें से कुछ चुपचाप अन्याय सहते हैं, तो उनमें से कुछ वेश्यालयों को अपना घर मानते हैं और हर दिन मौत का सामना करते हैं। लव जिहाद की साजिश में धार्मिक कट्टरपंथियों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है, वे कॉलेजों और कॉपीरेट कार्यालयों में अपने शिकार की तलाश करते हैं। इसके लिए न केवल हर हिंदू लड़की, बल्कि लड़के और उनके माता-पिता को सतर्क रहना चाहिए!

नेताओं की मजबूरी पर वफादारी का चोला

संजय सक्सेना

राजनीति में वफादारी और मजबूरी के बीच की लकीर अक्सर इतनी पतली होती है कि आम आदमी तो क्या, खुद नेता भी भूल जाते हैं कि वे किस तरफ खड़े हैं। तृणमूल कांग्रेस के तीन सांसदों शत्रुघ्न सिन्हा, कीर्ति आजाद और बाबुल सुप्रियो की कहानी इसी सच्चाई की एक जीती-जागती मिसाल है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की पार्टी की करारी हार के बाद जब पार्टी के करीब बीस सांसद बगावत पर उतर आए और मोदी सरकार के साथ खड़े होने का एलान कर दिया, तब यही तीनों नेता दीदी यानी ममता बनर्जी की वफादारी का ढिंढोरा पीटने में लगे हैं।

शत्रुघ्न सिन्हा ने बयान दिया कि वे ममता जी के साथ हैं और हमेशा टीएमसी में ही रहेंगे। कीर्ति आजाद ने भी संकट की इस घड़ी में ममता बनर्जी का हाथ थामे रखने का एलान किया। लेकिन जो बात इन बयानों के पीछे छिपी है, वह यह है कि इन नेताओं के पास फिलहाल कोई और चारा है भी नहीं। सबसे पहले बात शत्रुघ्न सिन्हा की। शत्रुघ्न सिन्हा ने भले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के खिलाफ जाकर भाजपा छोड़ी थी, लेकिन भाजपा में आज भी उनके कई पुराने मित्र मौजूद हैं। यही कारण है कि जब टीएमसी में तूफान आया तो उनकी चुप्पी ने सबको चौंकाया। वे न बागी खेमे में नजर आए, न ममता के साथ खुलकर। लेकिन जब यह साफ हो गया कि भाजपा उनके लिए अपने दरवाजे खोलने के मूड में नहीं है, तो उनकी कथित वफादारी की घोषणा सामने आ गई।

बता दें, शत्रुघ्न सिन्हा लंबे समय तक भाजपा के चमकते सितारे रहे। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में वे केंद्रीय मंत्री रहे। लेकिन धीरे-धीरे पार्टी में उनकी पूछ कम होती गई। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जब भाजपा ने नई करवट ली तो पुरानी पीढ़ी के कई नेताओं को हाशिये पर धकेल दिया गया। शत्रुघ्न सिन्हा पार्टी में घुट-घुटकर रहते रहे और अंदर ही अंदर असंतोष पकता रहा। 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने भाजपा से नाता तोड़ लिया और कांग्रेस के टिकट पर पटना साहिब से चुनाव लड़े, लेकिन हार गए। इसके बाद उनका राजनीतिक सफर भटकाव का शिकार रहा और अंततः वे तृणमूल कांग्रेस में आ गए। 2024 के लोकसभा चुनाव में शत्रुघ्न सिन्हा आसनसोल से करीब साठ हजार वोटों से जीते। लेकिन यह जीत उनकी अपनी नहीं, ममता बनर्जी की लहर थी। अब जब वही लहर उतर रही है, तो उनके पास लौटने के लिए कोई ठिकाना नहीं है। कीर्ति आजाद की कहानी तो और भी दिलचस्प है। दिसंबर 2015 में दिल्ली और जिला क्रिकेट संघ में कथित अनियमितताओं तथा भ्रष्टाचार को लेकर तत्कालीन केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली को खुले तौर पर निशाना बनाने के लिए उन्हें भाजपा से निलंबित कर दिया गया था। वे 2018 में कांग्रेस में शामिल हो गए थे। कांग्रेस ने उन्हें 2019 में धनबाद से टिकट दिया, लेकिन वहां भी उन्हें मुंह की खानी पड़ी। इसके बाद 2024 में वे तृणमूल कांग्रेस के जरिये बधर्मान-दुर्गापुर से लोकसभा पहुंचे। कीर्ति आजाद इस सीट से करीब 14 हजार वोटों से जीते। इस तरह एक ऐसे नेता जो कभी भाजपा के दिग्गज क्रिकेटर-सांसद हुआ करते थे, उनकी राजनीतिक यात्रा भाजपा से कांग्रेस और कांग्रेस से टीएमसी तक आ पहुंची। अब भाजपा उनसे दूरी बनाए हुए है और कांग्रेस भी उन्हें वापस लेने की स्थिति में नहीं है, इसलिए मजबूरी यही है कि ममता की डूबती नैया को थामे रखो और उसे वफादारी का नाम दो।

बाबुल सुप्रियो की कहानी इन दोनों से थोड़ी अलग लेकिन उसी धागे में पिरोई हुई है। वे आसनसोल से दो बार सांसद रहे और नरेंद्र मोदी सरकार में केंद्रीय राज्यमंत्री भी रहे। लेकिन 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद जब भाजपा को बंगाल में करारी हार मिली और पार्टी के भीतर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हुआ, तो बाबुल सुप्रियो ने भी भाजपा से मुंह मोड़ लिया। तत्कालीन केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद टीएमसी में शामिल होने वाले नेताओं में शामिल थे। तृणमूल ने उन्हें बालीगंज विधानसभा उपचुनाव में उतारा और वे जीत भी गए। लेकिन विधायक बनने के बाद भी उनकी राजनीतिक हैसियत वही नहीं रही जो कभी केंद्रीय मंत्री के रूप में थी। अब जब टीएमसी खुद संकट में है, तो भाजपा की ओर उनकी नजर स्वाभाविक रूप से जाती है, लेकिन भाजपा उन्हें पार्टी में वापस लेने की कोई इच्छा नहीं रखती। उधर, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद से तृणमूल कांग्रेस के भीतर अब तक का सबसे बड़ा और भयंकर गृहयुद्ध छिड़ा हुआ है। टीएमसी के बीस सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिलकर उन्हें एक पत्र सौंपा है जिसमें अलग गुट बनाने की सूचना देते हुए लोकसभा में अलग बैठने की जगह देने की मांग की गई है। दलबदल विरोधी कानून से बचने के लिए लोकसभा में कम से कम उन्नीस सांसदों का समर्थन आवश्यक है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि टीएमसी सांसदों का समर्थन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को मिलता है, तो सरकार के लिए परिसीमन और एक देश-एक चुनाव जैसे महत्वपूर्ण विधेयकों को आगे बढ़ाना आसान हो सकता है। बागी गुट अपने कुनबे को बढ़ाने के लिए लगातार सांसदों का समर्थन जुटा रहा है।

इस पूरे घटनाक्रम में यह तीन नेता एक अजीब कशमकश में फंसे हुए हैं। एक तरफ बागी खेमा है जो भाजपा का दामन थामने की तैयारी कर रहा है, दूसरी तरफ ममता बनर्जी का खेमा है। शत्रुघ्न सिन्हा, कीर्ति आजाद और बाबुल सुप्रियो न उस पार जा सकते हैं, न इस पार रह सकते हैं। बागी खेमे के साथ जाने का मतलब होगा भाजपा के दरवाजे पर दस्तक देना, लेकिन भाजपा उनके लिए वह दरवाजा खोलने को तैयार नहीं है। ऐसे में ममता के साथ बने रहना इनकी मजबूरी है, लेकिन यह तीनों इसे वफादारी का नाम देकर अपनी पीठ थपथपा रहे हैं। बहरहाल, उक्त तीन के अलावा तृणमूल कांग्रेस में और भी कई ऐसे नेता हैं जिनके लिए भाजपा के दरवाजे बंद हैं। महुआ मोइत्रा, सौगात रॉय, और सायोनी घोष जैसे नाम टीएमसी के उन चेहरों में शामिल हैं जो भाजपा के लिए स्वीकार्य नहीं हो सकते। महुआ मोइत्रा का राजनीतिक और वैचारिक रुख भाजपा के एकदम विपरीत रहा है और वे लगातार केंद्र सरकार पर हमलावर रहती हैं। सौगात रॉय वामपंथी झुकाव वाले वरिष्ठ नेता हैं जिनका भाजपा से कोई तालमेल कभी नहीं बैठा। इनके अलावा वे टीएमसी विधायक और नेता जो भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे हुए हैं, उनके लिए भी भाजपा की जगह तंग है। गौरतलब हो, राजनीति का यह खेल बड़ा निर्मम होता है। जब तक हवा अनुकूल रहती है, तब तक दावेदारी होती है। जब हवा पलट जाती है, तब मजबूरियां सामने आती हैं और उन्हें सिद्धांत का जामा पहना दिया जाता है। शत्रुघ्न सिन्हा, कीर्ति आजाद और बाबुल सुप्रियो तीनों ने अपनी-अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा के चलते भाजपा को छोड़ा। तीनों ने यह भी नहीं सोचा होगा कि एक दिन वापसी का रास्ता बंद हो जाएगा। आज वे ममता बनर्जी की वफादारी की बात करते हैं, लेकिन असल में यह वफादारी नहीं, एक सियासी मजबूरी है जिसने वफादारी का चोला ओढ़ लिया है। जो नेता घुट-घुटकर पार्टी में बने रहते हैं और मन मसोसकर बयानबाजी करते हैं, वे वफादार नहीं, मजबूर होते हैं। फर्क बस इतना है कि यह मजबूरी कभी-कभी इतनी सफाई से वफादारी का रूप ले लेती है कि खुद नेता को भी भ्रम हो जाता है।

तंत्र-मंत्र, चमत्कार, अंधविश्वास और ठगी की वजह से हो रही हिंसक घटनाएं

डॉ. दिनेश मिश्र

अंध श्रद्धा निर्मूलन समिति के अध्यक्ष डॉ. दिनेश मिश्र ने कहा पिछले कुछ समय से अनेक स्थानों से तंत्र मंत्र, चमत्कार के नाम से ठगी, धोखाधड़ी,हत्याओं के अनेक मामले सामने आए हैं। कुछ फर्जी बैगा, कथित तांत्रिक ग्रामीणों को चमत्कार झूठे के दावे कर,जादू,टोना, भूत प्रेत, आदि के नाम पर भ्रमित कर भ्रम व अंधविश्वास फैला रहे हैं।जबकि ऐसी काल्पनिक मान्यताओं का कोई अस्तित्व नहीं है।आम लोगों को इस प्रकार अंधविश्वास में नहीं फँसना चाहिए।

डॉ.दिनेश मिश्र ने कहा पिछले कुछ समय से लोगों को अलग अलग प्रकार के कथित चमत्कारों के प्रचार से भ्रमित करने के अनेक मामले आये है चावल वाले बाबा, कम्बल वाले, नीबू वाले नाम धारी अनेक बाबाओं, चंगाई सभा,के नाम पर भ्रमित करने व अंधविश्वास फैलाने के अनेक मामले सामने आए हैंऔर इन घटनाओं में लगभग सभी धर्म के तथाकथित बाबा/तांत्रिक शामिल रहे हैं।

डॉ. दिनेश मिश्र ने कहा कुछ समय पहले ही बालोद से तंत्र मंत्र से खजाना दिलाने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी, कोरबा से रूपए को करोड़ों रुपयों में बदलने के लिए तांत्रिक अनुष्ठान के नामपे 3 हत्याएं, गरियाबंद से तांत्रिक इलाज से बीमारी ठीक करने के नाम पर जेवर, रुपए हड़पने, यौन शोषण के मामले सामने आए हैं।तथाकथित चमत्कार के दावे बनावटी होते है।ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं है जिसे किसी भी प्रकार से दूसरे के विषय में जादू से जानकारी मिल सके। अलग अलग माध्यम से प्राप्त कुछ सूचनाएं चमत्कार के रूप में प्रस्तुत की जाती है।

यह एक प्रकार की ट्रिक ही है, जैसे जादूगर अपने शो में अलग अलग प्रकार के खेल दिखाते हैंजैसे रुपये दुगने करने, किसी व्यक्ति के दो टुकड़े करने,फिर जोड़ देने,ताजमहल को गायब करने जैसे करतब पर वे इसे सिद्धि, नहीं कहते सिर्फ एक मनोरंजन के तौर पर यह भी इनसे किसी को कोई लाभ नहीं होगा। क्योंकि ऐसे चमत्कारों न ही किसी का भला हो सकता है और न ही कोई व्यापक जनहित के काम, क्योंकि यदि चमत्कारों से ही देश के कार्य सम्भव होते तो सरकार को पंचवर्षीय योजनाएं, नहीं बनानी पड़ती और न ही शिक्षा, ऊर्जा, रोजगार,रक्षा, चिकित्सा की समस्याओं के लिये,विकास के लिए योजना बना कर काम करना पड़ता।

उसी जब चिकित्सा विज्ञान का आविष्कार नहीं हुआ था तब बीमारियों को जादू टोने का कारण औरमानसिक बीमारियों को भूत प्रेत के होने के कारण माना जाता था लेकिन जब से चिकित्सा विज्ञान का आविष्कार हुआ है। नए-नए मेडिकल कॉलेज अस्पताल खुले हैं बीमारियों के अलग-अलग कारण तथा उसके हिसाब से इलाज ढूंढे गए हैं और अभी भी जारी है, जैसे कोरोना के समय मे न ही कोई बाबा काम आया न उनका चमत्कार। डॉक्टरों, अस्पतालों, दवाओं, वैक्सीन जैसी कोरोना नियंत्रण में आया।

उसी प्रकार कुछ मानसिक बीमारियों को अंधविश्वास के कारण लोग भूत-प्रेत एक का वजह मानते थे तथा उसके लिए झाड़ फूक कराने जाते थे। उसका भी उपचार आजकल मनो चिकित्सकों द्वारा किया जाता है, जो की व्यक्ति की बीमारी और उसके लक्षण के आधार पर तय होता है। किसी बीमार व्यक्ति को जादू टोना करने, भूत आने की बात कह कर भ्रमित करना, प्रेतों की सेना,आदि काल्पनिक बाते अविश्वसनीय ही नही बल्कि हास्यास्पद भी हैं। क्योंकि जादू टोने के शक में महिलाओं को डायन/टोनही कहकर प्रताड़ित करने और मार डालने के हजारों मामले प्रति वर्ष देश भर से सामने आते है। इस अंधविश्वास से लोगों को बाहर निकालने की जरूरत है न कि उनके चमत्कार, जादू टोना, भूत प्रेत जैसे भ्रम में दाल कर अंधविश्वास बढ़ाने की। भारत सरकार के ड्रग एन्ड मैजिक रेमेडी एक्ट के अंतर्गत यह सब अपराध है।

डॉ. दिनेश मिश्र ने कहा हर व्यक्ति को अपने धर्म के प्रचार, प्रसार का अधिकार है,पिछले कुछ दिनों से देखा जा रहा है कि कुछ बैगा, तांत्रिक, टोटके बाजी, खजाना दिलाने, रुपए डबल करने, चंगाई सभाए,कथित चमत्कार, बीमारियों के इलाज के नाम पर भी भ्रम उत्पन्न कर रहे हैं।

लोगों में चमत्कार, जादू टोने, भूत प्रेत बाधा के नाम पर अंधविश्वास फैलाना उचित नहीं है ऐसे मामलों में प्रशासन को संज्ञान लेकर आवश्यक कार्यवाही करनी चाहिए। एवं आम लोगों को ऐसे स्वार्थी तत्वों पर भरोसा नहीं करना चाहिए।

कचरे से कमाई का रास्ता, दुर्ग जिले के कोलिहापुरी बना ग्रामीण विकास का नया केंद्र

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

जिस प्लास्टिक कचरे को आमतौर पर पर्यावरण के लिए सबसे बड़ी चुनौती माना जाता है, उसी कचरे को दुर्ग जिले के एक गांव ने आय और रोजगार का साधन बना दिया है। ग्राम पंचायत कोलिहापुरी में स्थापित जिले का पहला मटेरियल रिकवरी सेंटर (एमआरसी) आज वेस्ट टू वेल्थ मॉडल की ऐसी मिसाल बन चुका है, जो पर्यावरण संरक्षण के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती दे रहा है।

कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में विकसित यह केंद्र अब केवल कचरा संग्रहण और निपटान तक सीमित नहीं है, बल्कि जिले के 381 गांवों से निकलने वाले प्लास्टिक अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन का प्रमुख केंद्र बन गया है। यहां प्रतिदिन लगभग 150 किलोग्राम प्लास्टिक कचरे का प्रसंस्करण किया जाता है। आधुनिक मशीनों की मदद से प्लास्टिक को पिघलाकर लम्प्स तैयार किए जाते हैं, जिन्हें निर्माण क्षेत्र की कंपनियों को बेचा जाता है।

इस पहल की खास बात यह है कि यह परियोजना अब आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ चुकी है। संचालन, बिजली, रखरखाव और श्रमिकों के मानदेय का भुगतान करने के बाद भी केंद्र को हर महीने लगभग 15 हजार रुपये का शुद्ध लाभ हो रहा है। कचरा प्रबंधन को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए डीएमएफ मद से उपलब्ध कराए गए चार जीपीएस युक्त ई-रिक्शा गांवों से प्लास्टिक अपशिष्ट एकत्र कर रहे हैं। इनकी निगरानी सीधे कंट्रोल रूम से की जाती है, जिससे पूरी प्रक्रिया रियल टाइम में मॉनिटर होती है।

यह मॉडल रोजगार सृजन का भी माध्यम बना है। निजी भागीदारी के तहत स्थानीय लोगों को काम मिला है, जबकि श्रमिकों को मनरेगा दरों के अनुरूप मजदूरी और बीमा सुरक्षा भी प्रदान की जा रही है। इतना ही नहीं, केंद्र के लाभ का एक हिस्सा ग्राम पंचायत और स्व-सहायता समूहों को भी दिया जा रहा है।

स्वच्छ भारत मिशन, मनरेगा और निजी निवेश के अभिसरण से तैयार यह मॉडल साबित कर रहा है कि यदि सामुदायिक भागीदारी और तकनीक का सही उपयोग हो, तो कचरा भी ग्रामीण समृद्धि का आधार बन सकता है। कोलिहापुरी का यह प्रयोग अब दुर्ग जिले में सतत विकास और स्वावलंबन की नई पहचान बना है।

स्ट्रेस दूर करने के लिए पिएं ये ड्रिंक्स

स्ट्रेस हम सभी के जीवन का हिस्सा है। किसी को काम का स्ट्रेस है तो कोई पढ़ाई की स्ट्रेस में है। आजकल हर दूसरा बंदा इससे परेशान है। वहीं अक्सर लोग तनाव को दूर करने के लिए या तो चाय या कॉफी का सहारा लेते हैं। लेकिन इससे आपको कुछ देर के लिए ही आराम मिलता है,और बाद में नींद की कमी का कारण बनता है। ऐसे में हम आपको कुछ नेचुरल और हर्बल ड्रिंक्स की जानकारी दे रहे हैं जिससे आपको स्ट्रेस दूर करने में मदद मिलेगी। आइए इस बारे में हेल्थ एक्सपर्ट रामिता कौर से जान लेते हैं।

दालचीनी की चाय

स्ट्रेस दूर करने के लिए आप दालचीनी की चाय पी सकते हैं। इसके लिए आप एक कप पानी को उबालने के लिए चढ़ाएं, इसमें एक चुटकी दालचीनी पाउडर डाल दें, इसे उबालकर इसका सेवन करें। दालचीनी की सुगंध मस्तिष्क को शांत करती है।

इलायची ड्रिंक

स्ट्रेस दूर करने के लिए आप इलायची वाला पानी पिएं, इसके लिए आप दो इलायची को पानी में उबाल लें। पानी को सिप सिप करके पिएं और इलायची को चबा लें। इससे भी आपको फायदा मिलेगा। इलायची में नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होता है जो मस्तिष्क को शांत करता है।

माचा टी

माचा टी भी आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। इसके लिए आप एक कप गर्म पानी में आधा छोटा चम्मच माचा पाउडर को डालकर चला दें, धीरे-धीरे इसका सेवन करें। माचा टी में थेआनिन होता है जो एक अमीनो एसिड है और मानसिक शांति और ध्यान केंद्रित करने में मदद कर सकता है।

हल्दी वाला दूध

हल्दी वाला दूध भी स्ट्रेस दूर करने में कारगर है, इसके लिए एक गिलास हल्के गर्म दूध में एक चुटकी हल्दी मिलाकर चला दें, इसे सिप-सिप करके पिएं, इससे भी आपको काफी फायदा मिल सकता है।हल्दी में मौजूद करक्यूमिन में नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होता है जो शरीर और मस्तिष्क को आराम प्रदान करता है। इसके अलावा दूध में ट्राइप्टोफैन नाम का अमीनो एसिड पाया जाता है, जो मस्तिष्क में सेरोटोनिन के स्तर को बढ़ाने में मदद करता है, जिससे मूड बेहतर होता है और तनाव कम होता है।

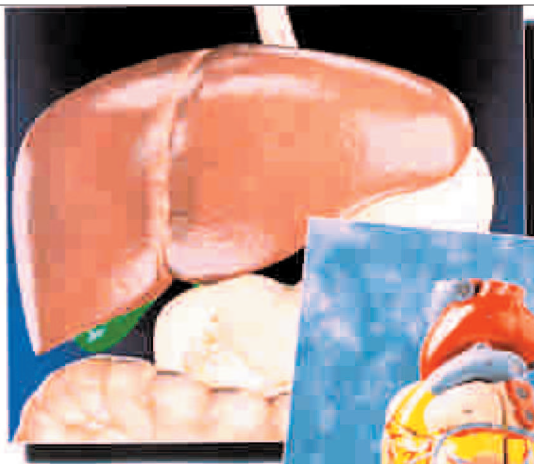

आजकल गलत खान-पान और अनियमित जीवनशैली के चलते, लिवर की समस्या बढ़ती जा रही है। लिवर के सही तरह से फंक्शन न करने का असर, हमारे पूरे स्वास्थ्य पर होता है। आजकल फैटी लिवर के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। इसकी वजह से लिवर सही से डिटॉक्स नहीं हो पाता है।

फैटी लिवर के साथ नजर आने वाले ये लक्षण लिवर की खराबी का देते हैं संकेत

लिवर हमारे शरीर का एक अहम हिस्सा है और सेहतमंद रहने के लिए, लिवर का सही तरह से फंक्शन करना बहुत जरूरी है। आजकल गलत खान-पान और अनियमित जीवनशैली के चलते, लिवर की समस्या बढ़ती जा रही है। लिवर के सही तरह से फंक्शन न करने का असर, हमारे पूरे स्वास्थ्य पर होता है। आजकल फैटी लिवर के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। इसकी वजह से लिवर सही से डिटॉक्स नहीं हो पाता है। शरीर में टॉक्सिन्स जमा होने पर, कई तरह की बीमारियां हमें घेर लेती हैं। फैटी लिवर के साथ अगर आपके शरीर में कुछ और लक्षण भी देखने को मिल रहे हैं, तो इन्हें नजरअंदाज न करें। ये लक्षण, लिवर की खराबी का संकेत हो सकते हैं। सेहतमंद रहने के लिए, लिवर का हेल्दी होना जरूरी है। यहां हम आपको कुछ ऐसे लक्षणों के बारे में बता रहे हैं, जो फैटी लिवर के साथ अगर नजर आएं, तो आपको सावधान होने की जरूरत है।

इन लक्षणों को न करें नजरअंदाज

- अगर फैटी लिवर के साथ आपको वजन कम करने में भी मुश्किल आ रही है, तो इसका मतलब है कि आपका लिवर सही तरीके से काम नहीं कर रहा है।
- मोटापा, फैटी लिवर का एक मुख्य कारण है। वहीं, अगर आपका लिवर ठीक से काम नहीं कर रहा है, तो इससे डाइजेशन पर असर होता है और आप वजन कम नहीं कर पाती हैं।
- अगर आपके मुंह या शरीर से दुर्गंध आ रही है, तो यह भी लिवर के सही तरह से काम न करने का संकेत है। दरअसल, जब लिवर सही से काम नहीं करता है, तो शरीर में टॉक्सिन्स जमा होने लगते हैं।
- जीभ के ऊपर सफेद लेयर का जमना भी इस बात का संकेत है कि आपका लिवर ठीक तरह से काम नहीं कर रहा है। लिवर फंक्शन सही न होने पर, शरीर डिटॉक्स नहीं हो पाता है।
- अगर आपको लगातार स्किन इंफेक्शन हो रहे हैं, एक्ने, प्राइवेट पार्ट्स में पिंपल्स जैसी दिक्कते हो रही हैं, तो यह भी लिवर की खराबी का संकेत है। इसे नजरअंदाज न करें।
- बार-बार होने वाला सिरदर्द भी, लिवर में खराबी की तरफ इशारा करता है।
- लिवर सही न होने पर, डाइजेशन से जुड़ी दिक्कतें आम होती हैं। अगर आपको खाना ठीक से नहीं पच रहा है, खाने के बाद अक्सर, ब्लोटिंग, गैस, उल्टी और बदहजमी होती है, तो इसे लिवर की खराबी का संकेत समझें।
- लिवर सही न होने पर इम्यूनिटी कमजोर होने लगती है। अगर आप बार-बार बीमारियों का शिकार हो रहे हैं, तो इसकी वजह लिवर फंक्शन सही न होना हो सकता है।
- शरीर में न्यूट्रिशन की कमी, हार्मोनल इंबैलेंस और लिवर की खराबी की वजह से शुगर क्रेविंग्स हो सकती हैं। बार-बार होने वाली शुगर क्रेविंग्स, आपकी सेहत भी खराब कर सकती हैं।
- अगर फैटी लिवर के साथ, आपका लिवर फंक्शन सही नहीं है, तो मांसपेशियों में दर्द हो सकता है।

फैटी लिवर के लक्षणों को रिवर्स करने के लिए आज ही से करें ये 7 काम

फैटी लिवर की समस्या आजकल काफी बढ़ती जा रही है। युवाओं में भी इसके काफी मामले सामने आ रहे हैं। लिवर हमारे शरीर से गंदगी को बाहर निकालने में और डिटॉक्स करने में मदद करता है। लिवर के सही तरह से फंक्शन न करने का असर, हमारे पूरे स्वास्थ्य पर होता है। खान-पान की गलत आदतों और खराब लाइफस्टाइल के चलते, फैटी लिवर के मामले काफी देखने को मिल रहे हैं। फैटी लिवर तब होता है, जब आपके लिवर में बहुत ज्यादा चर्बी जमा हो जाती है। फैटी लिवर के अलग-अलग ग्रेड होते हैं और इसे नजरअंदाज किया जाए, तो दिक्कत बढ़ जाती है। वसा का यह जमाव, लिवर और पूरे शरीर को नुकसान पहुंचा जा सकता है। अगर आपकी रिपोर्ट में फैटी लिवर आ गया है, तो तुरंत इस पर ध्यान दें। इसे रिवर्स करने के लिए, डाइट और लाइफस्टाइल से जुड़े कई बदलाव जरूरी हैं। यहां हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बता रहे हैं, जो फैटी लिवर के लक्षणों को मदद करने में मदद कर सकते हैं।

- एक्सपर्ट का कहना है कि फैटी लिवर का मतलब, सिर्फ लिवर के इर्द-गिर्द फैट जमा होना नहीं होता है, बल्कि इसकी वजह से कई सीरियस हेल्थ इश्यूज हो सकते हैं।
- इसके कारण, लिवर इंफ्लेमेशन और लिवर सिरोसिस हो सकता है। अगर लंबे समय तक इस पर ध्यान न दिया जाए, तो लिवर फेलियर भी हो सकता है।
- फैटी लिवर की वजह से डायबिटीज, दिल की बीमारी और मेटाबॉलिक डिसऑर्डर का खतरा बढ़ जाता है।
- लिवर के सही तरह से काम करने के लिए, गट हेल्थ का सही होना जरूरी है। डाइट में साबुत अनाज, सब्जियां और हेल्दी फैट्स को शामिल करें।
- ये सभी चीजें गुड बैक्टीरिया को बढ़ावा देती हैं और इंफ्लेमेशन कम करती हैं। आयुर्वेद के अनुसार, इससे टॉक्सिन्स यानी अमा कम होते हैं। इनके बढ़ने पर लिवर फंक्शन पर असर होता है।
- शरीर को डिटॉक्स करने के लिए, सब्जियां, फल और दालों को खाएं। अलग से डिटॉक्स करने के लिए, हार्श डाइट का सेवन कई बार नुकसान पहुंचा सकता है।
- आयुर्वेद में कहा गया है कि लिवर हेल्थ के लिए डाइजेस्टिव फायर का सही होना डरूरी है। इसके लिए, डाइट में अदरक, हल्दी और जीरे को शामिल करें। इससे डाइजेशन सुधरता है।
- ये सभी चीजें शरीर में न्यूट्रिएंट्स के अब्जॉर्बशन को बढ़ावा हेती हैं और इससे टॉक्सिन्स कम होते हैं और लिवर फंक्शन सुधरता है।
- एक्सपर्ट के मुताबिक, फैटी लिवर होने पर शुगर वाली चीजें और ड्रिंक्स को तुरंत बंद कर दें। इससे कुछ हफ्तों में लिवर पर जमी चर्बी कम हो सकती है।
- रोजाना कम से कम आधे घंटे ब्रिस्क वॉकिंग और योग करें। इससे लिवर की चर्बी 30 प्रतिशत तक कम हो सकती है।
- क्रूसिफेरस सब्जियां जैसी ब्रोकली, गोभी और स्प्रॉउट्स को डाइट में शामिल करें। ये चीजें एंटी-ऑक्सीडेंट्स फाइटोन्यूट्रिएंट्स से भरपूर होती हैं और फैटी लिवर को कम करती हैं।

क्या फैटी लिवर की वजह से बढ़ सकता है दिल की बीमारियों का खतरा?

एक्टर मोहसिन खान ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया कि उन्हें माइल्ड हार्ट अटैक हुआ था। 31 साल की उम्र में एक्टर के हार्ट अटैक की खबर ने सभी को चौंका दिया। हालांकि, आजकल कम उम्र के लोगों में भी दिल की बीमारियां बढ़ती जा रही हैं। एक्टर ने यह भी बताया कि उन्हें फैटी लिवर की भी दिक्कत थी और पिछले साल माइनर दिल का दौरा पड़ा था। फैटी लिवर भी आजकल काफी कॉमन हो गया है। क्या फैटी लिवर और दिल की बीमारियों के बीच कोई रिश्ता है और क्या फैटी लिवर की वजह से हार्ट अटैक का खतरा बढ़ सकता है, चलिए इस बारे में एक्सपर्ट से जानते हैं।

क्या फैटी लिवर की वजह से बढ़ सकता है दिल की बीमारियों का खतरा?

- फैटी लिवर डिजीज यानी नॉन-एल्कोहॉलिक फैटी लिवर की समस्या आजकल काफी बढ़ती जा रही है। इसका केवल लिवर पर भी नहीं, बल्कि शरीर के अन्य हिस्सों पर भी असर होता है।
- फैटी लिवर की वजह से कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। फैटी लिवर और दिल की बीमारियों के बीच गहरा कनेक्शन है।
- दरअसल, फैटी लिवर की वजह से मेटाबॉलिक विकार बढ़ने लगते हैं और इसकी वजह से दिल पर भी असर होता है।
- नॉन-एल्कोहॉलिक फैटी लिवर सीधे तौर पर मोटापे से भी जुड़ा है। इसके कारण, इंसुलिन रेजिस्टेंस, टाइप 2 डायबिटीज और डिस्लिपिडेमिया होने के चांस रहते हैं। ये सभी चीजें, दिल की बीमारियों की वजह बन सकती हैं।
- डिस्लिपिडेमिया, मेटाबॉलिज्म से जुड़ी एक कंडीशन है, जिसमें ब्लड में लिपिड का स्तर असामान्य रूप से ज्यादा या कम हो जाता है।
- लिवर, लिपिड मेटाबॉलिज्म में अहम भूमिका निभाता है और जब यह फैटी हो जाता है, तो इसकी वजह से इस पूरी प्रक्रिया पर असर होता है और इससे दिल पर भी असर होता है।
- फैटी लिवर के कारण, इंफ्लेमेशन बढ़ने लगता है। इससे एंडोथेलियल डिसफंक्शन की संभावना बढ़ जाती है। यह एक ऐसी बीमारी है जो छोटी रक्त वाहिकाओं को प्रभावित करती है।

यही कारण है कि जिन लोगों को फैटी लिवर है, उन्हें दिल की बीमारियों का अधिक खतरा रहता है।

कोर्टिसोल और थायराइड हार्मोन बैलेंस करने के लिए करें ये 2 प्राणायाम

शरीर में अलग-अलग हार्मोन्स को बैलेंस करने में अलग-अलग एक्सरसाइज और प्राणायाम कारगर हैं। कोर्टिसोल और थायराइड हार्मोन्स को बैलेंस करने के लिए, एक्सपर्ट के बताए ये 2 प्राणायाम करें।

सेहतमंद रहने के लिए, जितना जरूरी सही खान-पान है, उतना ही जरूरी एक्सरसाइज, योग और प्राणायाम को रूटीन में शामिल करना भी है। शरीर में हार्मोनल इंबैलेंस की वजह से कई दिक्कतें हो सकती हैं। थायराइड, कोर्टिसोल, इंसुलिन और भी कई अन्य हार्मोन्स में उतार-चढ़ाव होने पर, इसका असर हमारी सेहत पर होता है। आजकल हार्मोनल इंबैलेंस की वजह से होने वाली बीमारियां काफी बढ़ती जा रही हैं। ऐसे में इन्हें बैलेंस करने पर आपको खास ध्यान देना चाहिए। शरीर में अलग-अलग हार्मोन्स को बैलेंस करने में अलग-अलग एक्सरसाइज और प्राणायाम कारगर हैं। कोर्टिसोल और थायराइड हार्मोन्स को बैलेंस करने के लिए, एक्सपर्ट के बताए ये 2 प्राणायाम करें। अगर आप अधिक तनाव में हैं, शरीर में स्ट्रेस हार्मोन बढ़ा है, तो आप अनुलोम-विलोम करें। वहीं, थायराइड हार्मोन इंबैलेंस होने पर भ्रामरी प्राणायाम करें। इन्हें करने का सही तरीका और इनके फायदों के बारे में एक्सपर्ट से जानें।

तनाव दूर करने के लिए अनुलोम-विलोम प्राणायाम

- इसे करने के लिए सबसे पहले किसी शांत जगह पर बैठ जाएं।
- अब आपको जमीन पर बैठने में दिक्कत है, तो आप इसे ऊपर बैठकर भी कर सकती हैं।
- इसे सुखासन या पद्मसान में बैठकर करें।
- सबसे पहले अपने दाएं हाथ के अंगूठे से दांए नथुने को बंद करें।
- अब बाईं तरफ की नाक से सांस को अंदर की तरफ खीचें।
- अब उंगलियों से बाएं नथुने के बंद कर दें।
- इसके बाद आप दाहिने नथुने से अंगूठा हटाकर सांस छोड़ें।
- अब दाएं नथुने से ही सांस को अंदर की ओर भरें।
- इसके बाद दाई नाक से सांस को अंदर की ओर भरें और कुछ सेकेंड्स में बाई नाक खोलकर सांस को बाहर निकाल दें।
- इसी तरह इन स्टेप्स को दोहराएं।
- इसे आपको रोज 10-15 मिनट करना है।
- इसे करने से तनाव दूर होता है और सांस संबंधी दिक्कतें भी कम होती हैं।
- इससे मन शांत होता है और नींद अच्छी आती है।
- इसे करने से शरीर में हार्मोनल बैलेंस बना रहता है।

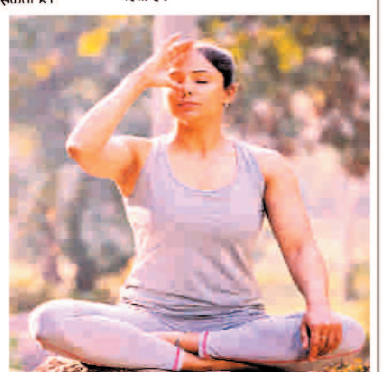

ऋचा और मैं अच्छे किरदारों के लिए जीते हैं, इमेज से ज्यादा कहानी मायने रखती है

अभिनेता अली फजल ने अपनी पत्नी ऋचा चड्ढा के साथ अपनी क्रिएटिव पार्टनरशिप पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि दोनों कभी भी किसी खास इमेज में फिट होने की कोशिश नहीं करते। उनका फोकस हमेशा अच्छे और चुनौतीपूर्ण किरदारों पर रहता है। अली फजल और ऋचा चड्ढा दोनों ही अपनी अलग-अलग फिल्मों में चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं। अली फजल ने बताया, 'ऋचा और मैं हमेशा से ऐसे किरदारों की तरफ आकर्षित होते हैं जो हमें चुनौती दे और दर्शकों के दिल में जगह बना सकें, उन्हें पसंद आए। हमारे लिए ग्लैमरस इमेज बनाए रखना कभी प्राथमिकता नहीं रहा।'

उन्होंने इसे अपनी खुशकिस्मती बताया कि उन्हें ऐसे रोल मिले जो स्क्रीन से बाहर निकलकर पॉप कल्चर का हिस्सा बन गए। अली फजल के अनुसार, एक अभिनेता के लिए यह सबसे खूबसूरत एहसास होता है कि दर्शक उनकी बनाई हुई चीज से इतना जुड़ जाते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि ऋचा की 'फुकरे' वाली भोली पंजाबन और उनकी 'मिर्जापुर' वाली गुड्डू पंडित की भूमिका आज भी लोग याद करते हैं। ये किरदार इतने लोकप्रिय हुए कि लोग उनके डायलॉग दोहराते हैं और बार-बार फिल्म देखते हैं। अली फजल ने बताया कि किरदारों के चुनाव को लेकर उनमें अच्छी समझ है। दोनों ही इस बात का सम्मान करते हैं कि एक्टिंग का पेशा अनिश्चितताओं से भरा है। कभी रिस्क लेना पड़ता है, तो कभी सब्र रखना पड़ता है। लेकिन सबसे जरूरी बात है कहानी कहने में ईमानदारी। उन्होंने बताया, 'हमारी कोशिश हमेशा ऐसी कहानियों और किरदारों का हिस्सा बनने की रहती है जो लोगों के यादों में लंबे समय तक रहें। सिर्फ सफलता नहीं, बल्कि प्रासंगिकता बनाए रखना हमारा लक्ष्य है।' अली फजल जल्द ही 'मिर्जापुर- द मूवी' में नजर आने वाले हैं, जो 4 सितंबर को रिलीज होगी।

कुब्रा सैत ने बताया कैसे सलमान ने बदली किस्मत

अभिनेता सलमान खान स्टारर फिल्म 'रेडी' ने बुधवार को अपनी रिलीज के 15 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर अभिनेत्री कुब्रा सैत ने फिल्म से जुड़े अपने अनुभव शेयर किए। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे सलमान खान ने उनके रोल में डायलॉग जोड़कर उन्हें ज्यादा स्क्रीन टाइम दिया था। वीडियो में अभिनेत्री कहती हैं, 'फिल्म 'रेडी' में ऑडिशन में जाने के लिए मैंने ब्लैक ड्रैस पहनी थी और अनीस बज्मी के ऑफिस में आने और मुझे मंजूरी देने का इंतजार कर रही थी।' अभिनेत्री ने आगे बताया, 'यह ऑडिशन फिल्म 'रेडी' में एक नौकरानी के रोल के लिए था, और मैं इसे लेकर बहुत खुश थी। इस फिल्म को करते समय मुझमें बहुत आत्मविश्वास था, क्योंकि यह मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था। इससे पहले मैंने कभी किसी फिल्म में काम नहीं किया था।'

अभिनेत्री ने बताया कि कैसे सलमान खान ने उन्हें सेट पर नोटिस किया और उनके किरदार में डायलॉग ऐड किए, जिससे फिल्म में उनकी स्क्रीन प्रेजेंस और निखर गई। अभिनेत्री ने कहा, 'असल में, फिल्म में मेरे पास कोई डायलॉग नहीं था, लेकिन सलमान सर ने कहा कि क्यों ने इसे एक ऐसी नौकरानी बनाया जाए, जो टूटी-फूटी इंग्लिश में बात करती हो। अनीस बज्मी को यह आइडिया बहुत पसंद आया और इसीलिए फिल्म में मेरे पास डायलॉग हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'उस समय हर कोई मुझसे कह रहा था कि मेरा दिमाग खराब हो गया है और मैं 'रेडी' फिल्म में काम करने के लिए कुछ ज्यादा ही उतावली हो रही हूं। लेकिन सच तो यह है कि अगर मैंने उस समय 'रेडी' फिल्म करने का पागलपन नहीं दिखाया होता, तो आज मैं 'कुकू' नहीं बन पाती। इसलिए कभी किसी काम को छोटा मत समझो; कोई भी रोल छोटा नहीं होता, बस एक्टर की सोच छोटी होती है। यह एक ऐसी सीख है जो मुझे जिंदगी भर याद रहेगी।

मेरे लिए ऐक्टिंग से ऊपर कुछ नहीं

'12वीं फेल' से सीधे दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाली मेधा शंकर की कहानी जितनी चमकदार दिखती है, उतनी ही जमीन से जुड़ी भी है। नेशनल क्रश का टैग मिला लेकिन उन्होंने इसे बोझ नहीं बनाया क्योंकि उनका फंडा साफ है, जिंदगी में ज्यादा लोड नहीं लेना। कभी इसी राह पर कदम रखने के फैसले पर घर में सवाल उठे लेकिन उन्होंने भरोसा नहीं छोड़ा। स्ट्रगल, रिजेक्शन और मेहनत के बीच मेधा ने खुद को अपने तरीके से बिना ज्यादा शोर के साबित किया। हाल ही में अपनी फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी' के सिलसिले में लखनऊ आई मेधा शंकर ने हमारे साथ दिलचस्प बातें शेयर कीं, जहां पर्दे के पीछे की उनकी असली कहानी, संघर्ष और सोच बिना किसी लाग-लपेट के सामने आईं।

मेंटली तैयार हों और सही इंसान मिले, तब शादी करें

मेधा शंकर ने कहा- मुझ पर कभी शादी का प्रेशर नहीं आया। दूर के रिश्तेदार जरूर कुछ कह देते थे लेकिन पापा-मम्मी ने कभी ऐसा दबाव नहीं बनाया। मैं शादी पर बहुत भरोसा करती हूं। मेरा मानना है कि शादी तब करनी चाहिए, जब आप मेंटली तैयार हों। सिर्फ जल्दबाजी में, समाज क्या बोलेगा, ताई-ताऊजी ने कुछ कह दिया, इन सब के दबाव में शादी नहीं करनी चाहिए। अगर आपने गलत इंसान से शादी कर ली तो कोई भी खुश नहीं रहेगा। मेरे हिसाब से ऐज या प्रेशर से ज्यादा जरूरी है कि आप शादी तभी करें, जब आप मानसिक रूप से तैयार हों और आपको सही इंसान मिल जाए, ताकि जिंदगी खुशहाल रहे।

अंदर से बहुत सीरियस हूं

मैं '12वीं' फेल की श्रद्धा जोशी जैसी ही हूं पर जब आप मुझे पर्दे पर गिन्नी के रूप में देखते हैं तो मैं काफी हद तक वैसी भी लगती हूं। असल में, गिन्नी वाली साइड बाहर वाले लोग नहीं देख पाते हैं। हालांकि अब मैं पहले से ज्यादा चिल रहने लगी हूं। अब फर्क नहीं पड़ता कि लोग क्या सोचेंगे। मैं ऊपर से गिन्नी हूं, लेकिन अंदर से सीरियस हूं। वक्त आने पर बहुत गंभीर हो जाती हूं। मैं बहुत शर्मिली बच्ची थी। मैं ऐक्टिंग से बहुत दूर थी। गाना मेरा पहला प्यार है। मैंने दो-तीन साल हिंदुस्तानी क्लासिकल म्यूजिक सीखा। मेरी दादी म्यूजिक टीचर थीं। मेरे पापा के साइड से लगभग सभी लोग अच्छा गाना गाते हैं। मगर अब मेरे लिए ऐक्टिंग से ऊपर कुछ नहीं।

हॉलीवुड स्टार से बेटी की तुलना पर महिमा चौधरी ने दी प्रतिक्रिया

महिमा चौधरी अपनी बेटी को लेकर चर्चा में हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हो रही उन पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी है, जिनमें उनकी बेटी एरियाना मुखर्जी की तुलना अमेरिकी एक्ट्रेस मिका अब्दुल्ला से की जा रही है। कई फैंस तो 'ऑफ कैंपस' की स्टार मिका को एरियाना की हमशक्ल भी कह रहे हैं।

एरियाना से मिलती हैं मिका अब्दुल्ला

सोशल मीडिया पर एरियाना चौधरी और मिका अब्दुल्ला के बीच तुलना को लेकर खूब चर्चा है। मिका, प्राइम वीडियो की पॉपुलर सीरीज 'ऑफ कैंपस' में ऐली हेस का किरदार निभाती हैं। कई यूजर्स ने यह भी बताया कि मिका काफी हद तक महिमा चौधरी के जवानी के दिनों की तरह दिखती हैं।

एरियाना ने नहीं शुरू की एक्टिंग

इस वायरल ट्रेंड पर हंसते हुए महिमा ने बताया कि उनके दोस्त, परिवार और फैंस लगातार उन्हें इस हॉलीवुड एक्टर के क्लिप और स्क्रीनशॉट भेज रहे हैं। महिमा चौधरी ने हिंदुस्तान टाइम्स से कहा, 'हां, मुझे पता है। मुझे वह (एरियाना) बहुत पसंद है, वह कमाल की है। दो अलग-अलग महाद्वीपों के लोगों में इतनी जबरदस्त समानता कैसे हो सकती है? यह समानता इतनी ज्यादा चर्चा का विषय बन गई कि कुछ लोगों को तो यह भी लगने लगा कि एरियाना ने एक्टिंग की दुनिया में कदम रख दिया है। मैंने उन्हें बताया कि उनसे अभी एक्टिंग नहीं शुरू की है।'

तुलना पर खुश होती हैं महिमा

महिमा ने कहा कि उन्हें ये तुलनाएं प्यारी लगती हैं। उन्होंने कहा 'किसी इतने प्यारे इंसान को देखना और यह सुनना कि आप दोनों एक जैसे दिखते हैं, बहुत अच्छा लगता है। मैं इस समानता से बहुत उत्साहित हूं क्योंकि मुझे वह बहुत प्यारी लगती है। अगर लोग कहते हैं कि मैं उसके जैसी दिखती हूं या एरियाना उसके जैसी दिखती है, तो मैं बहुत खुश होती हूं।

साड़ी लहराने वाली हीरोइन के रोल कभी ऑफर नहीं हुए, मुझे हल्की फुल्की फिल्में भी चलेंगी

रसिका दुग्गल बॉलीवुड की उन गिनी चुनी एक्ट्रेसेस में से हैं, जिन्होंने पर्दे पर ग्लैमर से ज्यादा गंभीर, संवेदनशील, इंटेंस वाली फिल्मों और किरदारों को तरजीह दी है। साल 2007 में 'अनवर' से डेब्यू करने वाली रसिका की फिल्मोग्राफी में आपको ऐसी कई फिल्में मिल जाती हैं, जो लीक से हटकर, अंडररेटेड, लेकिन क्लासिक हैं। फिर चाहे 'किस्सा' के नीली का किरदार हो या 'मंटो' में बेगम साफिया का।

जब ओटीटी का दौर आया, तो वहां भी 'मिर्जापुर' से लेकर 'देल्ही क्राइम', 'आउट ऑफ लव' जैसी वेब सीरीज ने रसिका नाम एक समर्थ अभिनेत्री के रूप में दर्ज किया। 41 साल की रसिका हाल ही सैफ अली खान के साथ फिल्म 'कर्तव्य' में नजर आईं, जहां वह कर्म और धर्म के बीच अपना कर्तव्य निभाने की जद्दोजहद में जूझ रहे जीवनसाथी का संबल बनती हैं। खास बातचीत में जब रसिका ने यह जानने की कोशिश की गई कि क्या ऐसे गंभीर विषय ही उन्हें लुभाते हैं या कभी हल्के-फुल्के, कमर्शल प्रॉजेक्ट करने का भी मन होता है? तो उन्होंने तपाक से जवाब दिया, 'मैं खुद कुछ हल्का-फुल्का या कॉमेडी कॉन्टेंट तलाश रही हूं। लेकिन साड़ी लहराने वाले रोल मुझे ऑफर ही नहीं होते।'

जमशेदपुर, झारखंड में पैदा हुई रसिका दुग्गल सिर्फ एक बेहतरीन एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि होनहार स्टूडेंट भी रही हैं। उन्होंने 2004 में दिल्ली के प्रतिष्ठित लेडी श्री राम कॉलेज फॉर वुमन से गणित में ग्रेजुएशन की डिग्री ली है।वह सोशल कम्युनिकेशंस मीडिया में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा और एक्टिंग में पीजी डिप्लोमा कर चुकी हैं। 'नो स्मोकिंग', 'हाइजैक' और 'तहान' जैसी फिल्मों से छाप छोड़ चुकीं रसिका कहती हैं, 'मुझे हल्की फुल्की फिल्में भी चलेंगी। कमर्शियल न हो भी हो तो ठीक है।'

मैं भी चाहती हूं कि लोगों की इस धारणा को तोड़ सकूं

बकौल रसिका दुग्गल, 'मैं भी चाहती हूं कि ये जो धारणा है कि मैं किसी चीज में काम कर रही हूं तो वो इंटेंस ही होगी, उसे तोड़ तोड़ सकूं। आप सही हैं कि काफी बार मुझे ऐसे ही रोल मिलते हैं। कुछ हल्के फुल्के भी मिले हैं जैसे 'लूटकेस' या 'ह्यूमरसली यॉर्स', लेकिन मुझे और ऐसे रोल करने को मिले तो मुझे बहुत खुशी होगी। असल में मैं खुद ऐसा कुछ ढूंढ रही हूं। जैसे अगर कॉमेडी में कुछ करने को मिले तो बहुत मजेदार होगा। क्या रसिका दुग्गल कभी पर्दे पर रूमानी अंदाज में पहाड़ों पर साड़ी का पल्लू लहराने वाली हीरोइन की तरह नजर आएंगी? इस पर वह कहती हैं, 'क्यों नहीं, बतौर एक्टर हम किसी चीज के लिए मना नहीं करते। हम सब अलग-अलग तरह का ही काम करना चाहते हैं, तो अगर ऐसा भी काम मिले तो कोई परहेज नहीं है। मैंने तो कभी ना नहीं कहा। मुझे कभी ऐसे रोल के ऑफर ही नहीं आए।'

लगातार अच्छा काम मिलना भी बड़ी बात

रसिका बॉलीवुड में एक इमेज में बांध दिए जाने के बाबत आगे कहती हैं, 'मुझे लगता है कि उस इंटेंस-सीरियस वाले लेबल के अंदर भी हमें काफी कुछ करने को मिलता है। ऐसा नहीं है कि सारे इंटेंस रोल एक जैसे होते हैं। उसमें भी काफी विविधता होती है। वह भी बहुत अच्छी बात है। ऐसा सबकी लाइफ में नहीं होता कि आपको लगातार काम मिलता रहे और अच्छी स्क्रिप्ट मिलती रहे। साथ ही हर एक्टर चाहता है कि आपको एक अलग पहलू भी लोगों को दिखाने का मौका मिले लेकिन वो ऑफर मिलने की बात है।'

आपदा राहत निधि मद : 5 करोड़ 69 लाख 58 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति मिली

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने बाढ़ व अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त 32 अधोसंरचनाओं की तात्कालिक मरम्मत कार्यों के लिए आपदा राहत निधि मद अंतर्गत 5 करोड़ 69 लाख 58 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। राजनांदगांव विकासखंड अंतर्गत बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में एनीकट तटबंध संरक्षण कार्य निर्माण के लिए 2 करोड़ 98 लाख 58 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है।

इसके तहत भर्रेगांव के लिए 49 लाख 72 हजार रूपए, जंगलेशर-मोखला के लिए 49 लाख 57 हजार रूपए, धामनसरा मोहड़ के लिए 49 लाख 94 हजार रूपए, रातापायली के लिए 49 लाख 83 हजार रूपए, मोखली के लिए 49 लाख 78 हजार रूपए, दाउटोला के लिए 49 लाख 74 हजार रूपए एनीकट तटबंध संरक्षण कार्य निर्माण हेतु प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इसी तरह ग्राम डीलापहरी में कोढहरी नाला प्रेम लाल वर्मा के खेत के पास, ग्राम कुम्हालोरी में ढीही खलहे, ग्राम टेड़ेसरा में नलजल बोर सील बगीचा के पास, ग्राम डीलापहरी में मउहा नाला शमशान घाट के आगे, ग्राम डीलापहरी में इंदावानी बांध पहुंच मार्ग, ग्राम बरगाही में बड़े तालाब, ग्राम सिंघोला में चांदो नहर, ग्राम कोपेडीह में शमशान घाट के पास, ग्राम भोथीपार खुर्द में वार्ड क्रमांक 10 मुख्य मार्ग, ग्राम रवेली में रेवील मुक्तिधाम, ग्राम सांकरा में मुक्तिधाम रोड़ में, ग्राम खैरा में छापामार नाला के पास, ग्राम जंगलेसर में गौठान, ग्राम खुटेरी, ग्राम परमालकसा में माखन लाल साहू के खेत के पास, ग्राम धामनसरा में वार्ड नंबर 10, ग्राम ठाकुरटोला में जैन बाड़ी के पास, ग्राम कोटराभाठा में करियाभरी सुजीत खेत के पास, ग्राम कोटराभाठा में नालीपारा बांध उलट के पास, ग्राम तोरनकट्टा में वार्ड नंबर 10 तालाब के पास, ग्राम आरला में गौठान में, ग्राम कुम्हालोरी में लखोली बाड़ी नाला में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में पुलिया निर्माण हेतु 10-10 लाख रूपए कुल 2 करोड़ 20 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

इसी प्रकार छुरिया विकासखंड के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अरजकुंड में ग्वालिनडीह मार्ग में 19 लाख रूपए, ग्राम जोंधरा में मुख्य मार्ग से गौवहारी के मध्य में 4 लाख रूपए, ग्राम जोंधरा में पांगरीखुर्द मार्ग के मध्य में 10 लाख रूपए, ग्राम बोईरडीह में मुक्तिधाम नाला के पास 18 लाख रूपए की लागत से पुलिया निर्माण कार्य हेतु कुल 51 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

बारिश पूर्व सड़क मरम्मत व सौंदर्यीकरण कार्यों में तेजी, शहर के उद्यानों और सार्वजनिक स्थलों के उन्नयन की तैयारी

नगर पालिक निगम राजनांदगांव द्वारा मानसून के आगमन से पूर्व शहर की आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए व्यापक स्तर पर मरम्मत एवं संधारण कार्य किए जा रहे हैं। नागरिकों को सुगम आवागमन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शहर की सड़कों पर गढ्डों को भरने तथा पेचवर्क का कार्य प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। गौरव पथ के किनारे निर्मित चबूतरे लंबे समय से उपयोग में होने के कारण कुछ स्थानों पर प्लास्टर उखड़ने की समस्या सामने आयी है। साथ ही वाहनों की टक्कर से भी कुछ हिस्से क्षतिग्रस्त हुए हैं। इन चबूतरों के मरम्मत एवं रंग-रोगन का कार्य प्रस्तावित है, जिससे गौरव पथ का सौंदर्य और आकर्षण बढ़ेगा।

इसी प्रकार कलेक्ट्रेट परिसर की बाउंड्रीवाल के आवश्यक मरम्मत कार्य भी संबंधित विभाग द्वारा कराए जाएंगे। वहीं सर्विस लेन के किनारे विकसित उद्यानों के पुराने हो जाने के कारण उनके उन्नयन एवं संधारण तथा शहर के सभी उद्यानों एवं हरित क्षेत्रों के समग्र मरम्मत और संधारण के लिए बजट प्रावधान संबंधी प्रस्ताव शासन को भेजा जा रहा है। स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात चरणबद्ध तरीके से आवश्यक कार्य कराए जाएंगे। इन प्रयासों से शहर की सुंदरता, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा आमजन को बेहतर सार्वजनिक अधोसंरचना का लाभ मिलेगा।

खास खबर

जामुल मंडल में भाजपा की संगठनात्मक बैठक, जिला प्रभारी और विधायक रहे मौजूद

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

महिला मोर्चा, युवा मोर्चा के पदाधिकारी और पार्षदों ने लिया हिस्सा

जामुल मंडल में गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की प्रभारी रामजी भारती प्रमुख रूप से शामिल हुईं। बैठक में अहिवारा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, जामुल नगरपालिका अध्यक्ष ईश्वर ठाकुर, जामुल मंडल अध्यक्ष प्रशांत बंटी गुप्ता और मंडल प्रभारी के कन्हैया सोनी भी मौजूद रहे। बैठक में महिला मोर्चा, युवा मोर्चा के पदाधिकारी, मंडल के पदाधिकारी, वार्ड पार्षद और छाया पार्षद समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक में संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की गई।

घुमका चुनाव में जीत के बाद कांग्रेस नेताओं ने भूपेश बघेल से की मुलाकात

नवनिर्वाचित अध्यक्ष फूलमती वर्मा समेत जिला अध्यक्ष, विधायक रहे शामिल

राजनांदगांव। प्रतिष्ठापूर्ण घुमका नगर पंचायत अध्यक्ष चुनाव में जीत दर्ज करने के बाद कांग्रेस नेताओं ने गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से भेंट कर बधाई और शुभकामनाएं लीं।

ये नेता रहे मौजूद: मुलाकात के दौरान राजनांदगांव जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन यादव, डोंगरगढ़ विधायक हर्षिता स्वामी बघेल, पूर्व विधायक भुवनेश्वर बघेल, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के पूर्व अध्यक्ष नवाज खान, जिला कांग्रेस महामंत्री राहुल तिवारी और पंकज बांधव मौजूद रहे।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष भी पहुंचीं: घुमका नगर पंचायत की नवनिर्वाचित अध्यक्ष फूलमती वर्मा के साथ गौरव शर्मा, पुष्पा वर्मा, कुमार नाथ बघेल, रामचंद वर्मा और मीडिया प्रभारी अमित अग्रवाल समेत कई कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी शामिल हुए। घुमका नगर पंचायत अध्यक्ष पद के चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी ने जीत हासिल की थी। चुनाव को प्रतिष्ठापूर्ण माना जा रहा था। जीत के बाद सभी नेताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मुलाकात कर मार्गदर्शन लिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर भारत स्वाभिमान न्यास की बैठक

21 जून को जिले के 100 स्थानों पर होगा योगाभ्यास, स्टेडियम में मुख्य कार्यक्रम

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए भारत स्वाभिमान न्यास, राजनांदगांव की बैठक बुधवार को संपन्न हुई। बैठक में जिले में योग दिवस को अधिक जनसहभागिता के साथ भव्य रूप से मनाने की रूपरेखा तैयार की गई।

"एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग" थीम

बैठक की अध्यक्षता कर रहे पदाधिकारियों ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं बल्कि जीवन जीने की कला है। इस वर्ष "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग" थीम पर स्कूल, कॉलेज, सार्वजनिक स्थलों और ग्राम पंचायत स्तर पर योगाभ्यास शिविर लगाए जाएंगे।

सुबह 6 से 7 बजे तक

सामूहिक योगाभ्यास

सभी सदस्यों ने संकल्प लिया कि 21 जून को जिले के हर गांव, वार्ड और संस्थान में सामूहिक योगाभ्यास कराया जाएगा। भारत स्वाभिमान के प्रशिक्षित योग शिक्षक सुबह 6 से 7 बजे तक मुख्य आयोजन स्थल और सभी उपकेंद्रों पर योग, प्राणायाम व ध्यान कराएंगे।

युद्ध स्तर पर चल रही तैयारी

जिला मुख्यालय में तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। उपस्वास्थ्य केंद्र पनेका, कम्पोजिट रिजनल सेंटर ठाकुरटोला, जिला अस्पताल के आयुष औषधालय, गौशाला खपरीकला और "मस्ती की पाठशाला" में पिछले छह रविवार से योगाभ्यास चल रहा है। इसके अलावा हॉस्पिटल, मंडी मॉल, डी-मार्ट, स्कूल-कॉलेज, बैंक, जिला जेल, पेट्रोल पंप, रेलवे स्टेशन, नर्सिंग महाविद्यालय पेंड्री और कृषि कॉलेज में भी प्रोटोकॉल योगाभ्यास को लेकर चर्चा जारी है। ये सभी अभ्यास 21 जून से पहले पूरे कर लिए जाएंगे।

42 स्थानों पर होगा मुख्य आयोजन

विश्व योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम स्टेडियम में होगा। पतंजलि योग समिति परिवार द्वारा जिला मुख्यालय में 42 स्थानों और पूरे जिले में करीब 100 स्थानों पर योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

ये रहे उपस्थित

बैठक में हेमंत तिवारी, पंचराम साहू, मनोज लड्ढा, कौशल साहू, दिलीप कुमार राम, धर्मेंद्र साहू, सोनू शर्मा, सौरभ शर्मा और डी.एन. चन्द्राकर मौजूद रहे। सभी कार्यकर्ताओं को प्रचार-प्रसार और आमजन को आमंत्रित करने की जिम्मेदारी दी गई।

अमीन पप्पू रवानी बने सिटी प्रेस क्लब बेमेतरा के नए अध्यक्ष

11 मतों से जीते, नई कार्यकारिणी का भी गठन

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

सिटी प्रेस क्लब बेमेतरा के अध्यक्ष पद के चुनाव में पत्रकार अमीन पप्पू रवानी ने जीत दर्ज की है। स्थानीय विश्राम गृह में हुए चुनाव में उन्होंने 11 मत हासिल किए। परिणाम घोषित होते ही पत्रकारों ने फूल-मालाओं, मिठाई और आतिशबाजी के साथ उनका स्वागत किया।

ऐसे हुआ चुनाव

वरिष्ठ पत्रकार महेश दुबे निर्वाचन अधिकारी और आशीष कांटले सहायक निर्वाचन अधिकारी रहे। अध्यक्ष पद के लिए अनिल त्रिपाठी, आनंद साहू, किशोर तिवारी और अमीन पप्पू रवानी ने नामांकन किया था। नाम वापसी के बाद किशोर तिवारी और अमीन पप्पू रवानी के बीच मुकाबला हुआ। मतगणना में अमीन पप्पू रवानी को 11 मत मिले।

नई कार्यकारिणी घोषित

अध्यक्ष बनने के बाद अमीन पप्पू रवानी ने नई कार्यकारिणी की घोषणा की। आनंद साहू को उपाध्यक्ष, योगेश राजपूत को सचिव, आशीष कांटले को कोषाध्यक्ष और ताम्रध्वज साहू को सहसचिव बनाया गया। ममता सहित अन्य पत्रकार कार्यकारिणी सदस्य बनाए गए।

पत्रकार हित प्राथमिकता : रवानी

नवनिर्वाचित अध्यक्ष अमीन पप्पू रवानी ने कहा कि यह जीत सिटी प्रेस क्लब की एकता और लोकतांत्रिक परंपरा की जीत है। पत्रकारों के सम्मान, सुरक्षा और हितों की रक्षा उनकी प्राथमिकता रहेगी। संगठन को मजबूत बनाने और पत्रकारिता के स्तर को ऊपर ले जाने के लिए काम किया जाएगा।

पत्रकारों ने दी बधाई

निर्वाचन अधिकारी महेश दुबे और निर्वतमान अध्यक्ष दिनेश दुबे ने नई टीम को शुभकामनाएं दीं। इस दौरान दिनेश दत्त दुबे, मैडी धीवर, अमित, खिलेश कुमार, अरुण सोनी, अनीश मेमन, सतीश नामदेव समेत कई पत्रकार मौजूद रहे।

आनंदगांव में 'प्रगति पथ यात्रा' के तहत जनसंपर्क, केंद्र के 12 साल की गिनाई उपलब्धियां

नई दृष्टिबिंदु / आनंदगांव

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर आयोजित "प्रगति पथ यात्रा" के तहत गुरुवार को आनंदगांव में जनसंपर्क कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में पूर्व विधायक अवधेश चंदेल, सांसद विजय बघेल, हर्ष तिवारी, संजीव तिवारी, नीलू राजपूत, रविंद्र नायक, सुखीराम सहित जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे।

विकास की नई दिशा मिली : चंदेल

पूर्व विधायक अवधेश चंदेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 12 वर्षों में देश को विकास की नई दिशा दी है। उन्होंने बताया कि 5 जून से 21 जून तक पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण अभियान भी चलाया जा रहा है। सांसद विजय बघेल जनसंपर्क यात्रा के जरिए आम जनता और किसानों को केंद्र की योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

सांसद बघेल ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत हर चुनौती का मजबूती से सामना कर रहा है और जनता सरकार के साथ खड़ी है।

जनता का विश्वास मजबूत करना उद्देश्य : विजय बघेल

सांसद विजय बघेल ने कहा कि "प्रगति पथ यात्रा" का उद्देश्य जनता का विश्वास मजबूत करना और विकास कार्यों को आगे बढ़ाना है। दुर्ग लोकसभा की सभी विधानसभा क्षेत्रों में लोगों से संवाद किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 2014 में जनता ने प्रधानमंत्री मोदी पर विश्वास जताया। इसके बाद तीन तलाक की समाप्ति, शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं में सुधार जैसे ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। भारत आज तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है।

जैविक खेती अपनाने का आह्वान

किसानों से सांसद बघेल ने प्राकृतिक और जैविक खेती अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के ज्यादा उपयोग से भूमि की उर्वरता घट रही है। जैविक खेती से भूमि और पर्यावरण दोनों का संरक्षण होगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण और भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए।

3री वाहिनी छसबल ने लगाया रक्तदान और नि :शुल्क नेत्र जांच शिविर

अधिकारी-कर्मचारियों ने किया रक्तदान, परिजनों ने कराई आंखों की जांच

नई दृष्टिबिंदु / अमलेश्वर

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर शुक्रवार को 3री वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, अमलेश्वर के बटालियन परिसर में विशाल रक्तदान एवं निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर सेनानी श्रीमती मेघा टेम्भूरकर के निर्देशन में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चला।

शिविर का उद्देश्य स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और अधिकारियों, कर्मचारियों व उनके परिजनों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना था। बिलासा ब्लड सेंटर की टीम ने रक्तदान शिविर का संचालन किया। टीम में विनोद वर्मा, अंशुल, त्रिलोक, सूरज, महादेव और टुमन साहू शामिल रहे।

श्री गणेश विनायक आई हॉस्पिटल की टीम ने निःशुल्क नेत्र परीक्षण और परामर्श दिया। टीम में अनिकेत पांडे, मोनिस पटेल, नीरज सिंह, सचिन साहू और बेरीलाल साहू शामिल थे।

शिविर में बटालियन के अधिकारियों और कमर्चारियों ने उत्साह से भाग लिया। रक्तदान करने वालों में सहायक सेनानी विजय कुमार तिर्की, सहायक सेनानी मिलमन मिंज, सीसी रमेशचन्द्र डगोरिया, पीसी दिनेश सिंह, पीसी नीरज पारा, पीसी मनप्रसाद, पीसी नारायण चन्द्राकर और पीसी छबिलाल साहू प्रमुख रहे।

शिविर में स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व पर जोर दिया गया और लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और नियमित जांच कराने का संदेश दिया गया।

बीएसपी लीज नवीनीकरण से भिलाई को राहत, हजारों संस्थान बचेंगे

सांसद विजय बघेल और प्रेम प्रकाश पाण्डेय के प्रयासों से निकला हल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

बीएसपी की लीज नवीनीकरण से जुड़े मामले में भिलाई की जनता को बड़ी राहत मिली है। सांसद विजय बघेल और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय के प्रयासों के बाद बीएसपी प्रबंधन ने सकारात्मक रुख अपनाया है। इससे व्यापारिक प्रतिष्ठानों, स्कूलों, सामाजिक भवनों और धार्मिक स्थलों पर मंडरा रहा संकट टल गया है।

क्यों था संकट

बीएसपी की जमीन पर दशकों से हजारों दुकानें, स्कूल-कॉलेज, सामाजिक भवन, धमर्शाला, मंदिर, गुरुद्वारा और अन्य धार्मिक स्थल संचालित हो रहे हैं। लीज नवीनीकरण की प्रक्रिया में देरी से इन संस्थानों का भविष्य अधर में था। इससे हजारों लोगों की आजीविका और भिलाई की सामाजिक पहचान प्रभावित हो रही थी।

नेता प्रतिपक्ष ने जताया आभार

भोजराज सिन्हा ने कहा कि सांसद विजय बघेल और प्रेम प्रकाश पाण्डेय ने भिलाई के विकास और नागरिकों के हितों को हमेशा प्राथमिकता दी है। उनके प्रयासों से हजारों परिवारों और संस्थाओं को राहत मिली है।

ऐसे निकला रास्ता

नगर निगम भिलाई के नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा ने बताया कि सांसद विजय बघेल और वरिष्ठ भाजपा नेता प्रेम प्रकाश पाण्डेय ने इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया। दोनों नेताओं ने बीएसपी/सेल प्रबंधन के समक्ष भिलाई की जनता का पक्ष मजबूती से रखा। लगातार प्रयासों के बाद प्रबंधन ने जनभावनाओं का सम्मान करते हुए समाधान की दिशा में कदम बढ़ाया।

किसे मिली राहत

1. व्यापारी वर्ग : हजारों दुकानों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों से जुड़े लोगों की आजीविका सुरक्षित हुई।
2. शिक्षा संस्थान : बीएसपी की जमीन पर चल रहे स्कूल-कॉलेजों का संचालन जारी रहेगा।
3. सामाजिक भवन : समाज के भवन, धमर्शाला और सामुदायिक केंद्रों को स्थायित्व मिलेगा।
4. धार्मिक स्थल : मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, चर्च जैसे आस्था केंद्रों को संरक्षण मिला।

रेत के खेल में MLA,VC के लिए बाबा को चढ़ावा, मंत्रिमंडल में फेरबदल...!

अंदर की बात

-:: खुलकर: :-
यशवंत साहू
फाउंडर भिलाई टाइम्स

रेत के खेल में विधायक...

ये कोई नई बात नहीं है। आदि-अनादिकाल से चली आ रही परंपरा है। विधायक किसी भी पार्टी के हो, वो अपने करीबियों को रेत घाट दिलाते हैं। ताकि फंडिंग का फ्लो मेंटेन रहें। इन दिनों सत्ता संगठन के एक विधायक खूब बदनाम हो गए हैं। दुर्ग संभाग से आने वाले इस विधायक के लोगों को कई बार रेतघाट में रंगेहाथ भी पकड़ा है। बड़े मीडिया में खबरें तो नहीं दिखी, मगर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सबसे ज्यादा इस खबर को कवर किया गया। अब माननीय परेशान हैं। आगे चीजें कैसे मैनेज होंगी। क्योंकि, अब नजर सबकी उनपर है। कारर्वाई तो नहीं हुई लेकिन किरकिरी भी खूब हुई। विधायक का अब ईश्वर ही मालिक है।

VC के लिए बाबा को 50 लाख का चढ़ावा...

इस सप्ताह छत्तीसगढ़ में एक बाबा खूब ट्रेंडिंग में रहें। बाबा की गिरफ्तारी हो गई। बाबा के भक्त छोटे-मोटे लोग नहीं है। हैवीवेट राजनेता से लेकर शिक्षण संस्थानों के प्रमुख भी उनके भक्त हैं। कुछ महीने पहले ही इस बाबा को 50 लाख रुपए का चढ़ावा दिया था। कुलपति बनने के लिए ये चढ़ावा दिया था। इत्तेफाक से वो कुलपति बन भी गए। यानी कि बाबा ने जैसा ट्रिक अपनाने कहा, वैसे अपनाया भी। रायपुर स्थित एक बड़ी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर की कुर्सी संभालते ही चढ़ावा छोड़कर आए। जब बाबा जेल जा रहे थे, तब कुलपति महोदय काफी तिलमिला गए थे।

मंत्रिमंडल फेरबदल, नए को हटाएंगे, पुराने आएंगे

इस बार मंत्रिमंडल को लेकर फिर से चर्चाओं का बाजार गर्म है। राजनीतिक पंडित गुणाभाग में लग गए हैं कि किसकी मंत्रिमंडल से छुट्‌टी हो रही है? और किसकी एंट्री। कहा जा रहा है कि पहली बार के विधायक से मंत्री बनने वाले 3 नेताओं के लिए मुश्किलें कम नहीं है। उनके लिए चिंताजनक खबर है। वो ये कि उन्हें बाहर का रास्ता देखना पड़ सकता है। उन तीनों की जगह तीन सीनियर्स को मंत्रिमंडल में शामिल किया जा रहा है। इनमें बिलासपुर से अमर अग्रवाल और लता उसेंडी का एकदम कन्फर्म माना जा रहा है। कहा जा रहा है कि अमर का वनवास खत्म होने वाला है। इस बार चूक नहीं होगी। मंत्री बनना तय है और ठीक-ठाक डिपार्टमेंट मिलना भी तय है।

पांडेय के जन्मदिन में माहौल और उसके मायने..

9 जून...ये वो तारीख है जब भिलाइयंस को साफ-साफ संकेत मिल गया कि कुछ होने वाला है। राजनीतिक गलियारे से खबर है कि पांडेय जी के समथर्को में भारी उत्साह है। इसके पीछे वजह भी है। वो ये कि बलौदाबाजार हिंसा मामले और चुनाव याचिका की सुनवाई में तेजी आ गई है। फैसले में देर नहीं है। संकेत भी स्पष्ट है कि चुनाव से पहले भिलाईनगर में कुछ भी हो सकता है। मीनाक्षी नटराजन और मध्यप्रदेश का एक प्रकरण का उदाहरण दिया जा रहा है। कुछ तो ये भी कह रहे हैं कि उपचुनाव होना तय है। वहीं कांग्रेस में युवा विधायक के विरोधी खेमे में भी खुशी की लहर है। बकायदा, कई तो सेक्टर-9 बंगले में नजर आए और बकायदा फुल-माला देते रहें।

बंगलों में टिकट के लिए भीड़

भिलाई, रिसाली, चरोदा निगम में इस साल चुनाव है। मौसम के साथ-साथ सियासी पारा भी चढ़ने लगा है। पार्षद की टिकट मांगने वालों की भीड़ नेताओं के बंगले में नजर आ रही है। हालांकि, आरक्षण के बाद ये भीड़ दोगुनी हो जाएगी। भाजपा के कार्यकर्ता सांसद विजय बघेल, पूर्व मंत्री प्रेमप्रकाश पांडेय, पूर्व सांसद सरोज पांडेय और मंत्री गजेंद्र यादव के बंगले में पहुंच रहे हैं। वहीं कांग्रेस के कार्यकर्ता विधायक देवेंद्र यादव, जिलाध्यक्ष मुकेश चंद्राकर के घर तक पहुंच रहे हैं। रोजाना भीड़ उमड़ रही है। एकाद महीने में ये सियासी पारा और चढ़ जाएगा।

बस्तर के अगले आईजी कौन होंगे...?

बस्तर रेंज के आईजी पी. सुंदरराज सेंट्रल डेपुटेशन पर जा रहे हैं। सरल, सहज और मिलनसार आईपीएस पी. सुंदरराज ने बस्तर में खूब काम किया। सबसे लंबे समय तक बस्तर रेंज आईजी रहें। लगभग 6 से 7 साल तक। अब उनके डेपुटेशन पर जाने के बाद उनकी जगह कौन लेगा? सीएमओ में प्रमुख सचिवों का वर्क अलॉट हुआ है। 2005 बैच के आईपीएस राहुल भगत को गृह विभाग का कार्य दिया गया है। बस्तर रेंज आईजी सलेक्शन में आईपीएस राहुल की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। कहा जा रहा है कि बस्तर रेंज के नए आईजी का नाम फाइनल कर लिया गया है। एक तेज तर्रार आईपीएस को इसकी जिम्मेदारी दी जा सकती है। सवाल अब भी कायम है कि नक्सलमुक्त होने के बाद आईजी की कुर्सी कौन संभालेगा?

पीएम मोदी के कायेकाल के 12 वर्ष पूरे होने पर दरगाह में दुआ, चादरपोशी की गई

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने बांटी मिठाई, तीन तलाक और धारा 370 को बताया ऐतिहासिक फैसला

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

केंद्र में एनडीए सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर भिलाई-3 स्थित हजरत सैय्यद बाबा की दरगाह में विशेष दुआ और चादरपोशी कार्यक्रम आयोजित किया गया। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारियों ने मजार पर चादर और फूल पेश कर देश, प्रदेश और समाज की खुशहाली के लिए दुआ मांगी।

कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजू खान ने किया। उनके साथ मोर्चा के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लंबी उम्र, उत्तम स्वास्थ्य और निरंतर सफलता की कामना की। इस दौरान मिठाइयां बांटकर खुशी का इजहार किया गया।

तीन तलाक और धारा 370 को बताया ऐतिहासिक

राजू खान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के तीसरे सबसे लंबे समय तक पद पर रहने वाले प्रधानमंत्री बन गए हैं। उन्होंने दावा किया कि मोदी ने लगातार प्रधानमंत्री रहते हुए पंडित जवाहरलाल नेहरू के कायर्काल के दिनों का रिकॉर्ड भी पार कर लिया है।

राजू खान ने कहा कि केंद्र सरकार ने अल्पसंख्यक समाज के हित में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। तीन तलाक कानून को मुस्लिम महिलाओं के लिए राहत देने वाला कदम बताया। साथ ही जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने और वक्फ बोर्ड से जुड़े संशोधन को भी ऐतिहासिक निर्णय करार दिया। उन्होंने बताया कि मुस्लिम समाज और भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की ओर से प्रधानमंत्री के बेहतर स्वास्थ्य, दीर्घायु और देश की निरंतर प्रगति के लिए दरगाह में विशेष दुआ की गई।

एशिया कप विजेता हॉकी खिलाड़ी अवि मानिकपुरी ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भारतीय अंडर-18 हॉकी टीम के एशिया कप विजेता सदस्य अवि मानिकपुरी ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उप मुख्यमंत्री अरुण साव भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री साय ने अंडर-18 एशिया कप में भारत की ऐतिहासिक जीत में अहम योगदान के लिए अवि को बधाई दी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के युवा खिलाड़ी प्रतिभा, अनुशासन और मेहनत से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। सीएम ने अवि के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

खेल अधोसंरचना पर जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेल और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए लगातार काम कर रही है। खेल अधोसंरचना के विकास और खिलाड़ियों को संसाधन उपलब्ध कराने से युवाओं को प्रतिभा निखारने के नए अवसर मिल रहे हैं।

जापान में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

बिलासपुर निवासी अवि मानिकपुरी भारत के उभरते हॉकी खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने हाल ही में जापान में आयोजित अंडर-18 एशिया कप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल दिखाते हुए भारतीय टीम ने स्वर्ण पदक जीता, जिसमें अवि की अहम भूमिका रही।

इस मौके पर छत्तीसगढ़ हॉकी संघ के अध्यक्ष फिरोज अंसारी, महासचिव डॉ. मनीष श्रीवास्तव और अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मृणाल चौबे भी उपस्थित थे।

वृंदानगर में पति-पत्नी के शव घर में मिले, जांच में जुटी पुलिस

पत्नी का शव कमरे में, पति फांसी पर लटका मिला

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

वैशाली नगर थाना क्षेत्र के वृंदानगर कैंप-1 में शनिवार को पति-पत्नी के शव उनके घर में संदिग्ध हालत में मिले। सूचना पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान जी वेंकटरमण मूर्ति उम्र 55 वर्ष और उनकी पत्नी जी विद्यावती उम्र 52 वर्ष के रूप में हुई है। घटना की सूचना मृतक के सामने रहने वाले छोटे भाई जी माधव राव ने दी। उनकी रिपोर्ट पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

फॉरेंसिक और पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी की। पुलिस ने बताया कि मृत्तिका जी विद्यावती का शव मकान के सामने वाले कमरे में पड़ा मिला। वहीं मृतक जी वेंकटरमण मूर्ति का शव अंदर के कमरे में नायलॉन की मोटी रस्सी से फांसी के फंदे पर लटका था। भाई ने रस्सी काटकर शव को नीचे उतारा।

पुलिस के मुताबिक मृतक ऑटो ड्राइवर का काम करता था। जानकारी मिली है कि पति-पत्नी के बीच अक्सर आपसी विवाद होता था। घटनास्थल से जरूरी भौतिक साक्ष्य जुटाए गए हैं। पंचनामा कार्रवाई कर दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

ऑनलाइन सट्टा चलाते दो युवक हुए गिरफ्तार

दुर्ग। ऑनलाइन बेटिंग गेमिंग एप के जरिए सट्टा खिलाने वाले दो आरोपियों को दुर्ग पुलिस ने गिरफ्तार किया है। स्मृतिनगर चौकी और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने रियों होटल खम्हरिया में दबिश देकर दोनों को पकड़ा। आरोपियों के पास से 2 मोबाइल, 1 टैब और 60 हजार रुपये नगद सहित करीब 1.25 लाख रुपये का सामान जब्त किया गया है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि रियों होटल खम्हरिया में दो लोग ऑनलाइन बेटिंग एप से सट्टा खिला रहे हैं। सूचना पर स्मृतिनगर चौकी और एसीसीयू टीम ने होटल में छापा मारा। मौके पर शेख अकरम और अनीष कुमार को संदिग्ध गतिविधि करते पकड़ा गया। पूछताछ में

आरोपियों ने मोबाइल और टैब के जरिए सिक्किम नामक ऑनलाइन बेटिंग प्लेटफॉर्म पर सट्टा खेलना स्वीकार किया। पुलिस ने दोनों के पास से 2 मोबाइल फोन, 1 टैब और 60 हजार रुपये नगद जब्त किए।

थाना सुपेला चौकी स्मृतिनगर में अपराध क्रमांक 803/2026 धारा 07 छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 के तहत मामला दर्ज किया गया है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर कोर्ट में पेश किया गया।

शेख अकरम, उम्र 24 वर्ष, निवासी सेक्टर-06 भिलाई, थाना भिलाई नगर। अनीष कुमार, उम्र 27 वर्ष, निवासी सेक्टर-07 भिलाई, थाना भिलाई नगर।

दुर्ग पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी तरह की ऑनलाइन सट्टा या जुआ गतिविधियों में शामिल न हों। ऐसी गतिविधि की जानकारी मिलने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। अवैध ऑनलाइन जुआ में लिप्त लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100